E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 244 | गुवाहाटी | रविवार, 6 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत-श्रीलंका के सुरक्षा हित समान, हिंद महासागर में मिलकर करेंगे काम : पीएम — पेज 2
राभा-हासोंग चुनाव : भारी समर्थन के लिए मुख्यमंत्री ने जताया आभार — पेज 3
मौखिक नोटिस देकर कलंकपूर्ण आदेश से सेवा समाप्त करना अनुचित और... — पेज 5
सऊदी प्रो लीग 2024-25 : रोनाल्डो के दो गोल की बदौलत... — पेज 7

मोपिन महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा, कहा–

असम, अरुणाचल के बीच सीमा विवाद पूरी तरह सुलझा लिया जाएगा

इटानगर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवाद वर्तमान व्यवस्था के तहत पूरी तरह से हल हो जाएगा। सीएम शर्मा ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश में वर्तमान व्यवस्था के तहत, दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद पूरी तरह से हल हो जाएगा। पश्चिम सियांग जिले के आलो में गालो जनजाति के मोपिन महोत्सव में शामिल हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक भव्य उत्सव है और यह लोगों के इस भूमि के साथ अंतर्निहित बंधन की पुष्टि करता है। आलो में मोपिन महोत्सव के 59वें केंद्रीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मोपिन महोत्सव अरुणाचल प्रदेश की सांस्कृतिक जीवंतता का एक शानदार प्रमाण है। असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस महोत्सव ने गहरी जड़ों वाली परंपराओं, आध्यात्मिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ विरासत को समृद्ध करने में योगदान दिया है। गालो समुदाय का यह पवित्र फसल उत्सव प्रकृति के प्रति समृद्धि, एकता और कृतज्ञता का प्रतीक है। मोपिन त्यौहार एक कृषि फसल उत्सव है, जिसे अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश की गैलो जनजाति द्वारा अच्छी फसल के लिए देवी मोपिन एने को धन्यवाद देने और समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है। यह –शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री खांडू ने पूर्वोत्तर में शांति लाने का श्रेय असम के सीएम को दिया

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को पूर्वोत्तर में शांति लाने का श्रेय असम के अपने समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा को दिया। खांडू ने पश्चिम सियांग जिले के आलो में गालो जनजाति के मोपिन उत्सव में भाग लेने के लिए शर्मा को धन्यवाद दिया। सभा को संबोधित करते हुए खांडू ने शर्मा को *पूर्वोत्तर का गतिशील नेता और देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति* बताया। सीएमओ की ओर से जारी एक बयान में खांडू के हवाले से कहा गया कि जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं और हिमंत असम के मुख्यमंत्री बने हैं, पूरे पूर्वोत्तर में शासन और विकास की गति में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। एक राज्य के रूप में असम इस क्षेत्र मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। असम में जो कुछ भी होता है, उसका असर हम सभी पर पड़ता है। खांडू ने क्षेत्र में शांति लाने का श्रेय हिमंत को दिया और कहा कि यही विकास का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि उग्रवाद, जिसने दशकों तक असम को प्रभावित किया और अरुणाचल प्रदेश को प्रभावित किया, जो असम के साथ एक लंबी अंतर-राज्यीय सीमा साझा करता है, शर्मा के प्रयासों और प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के आशीर्वाद के कारण अब लगभग समाप्त हो गया है। खांडू ने कहा कि उग्रवाद के खत्म होने के बाद, हम सभी न केवल असम में बल्कि अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी हो रहे जबरदस्त विकास कार्यों के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि हिमंत सरकार की *एडवांटेज असम* पहल क्षेत्र के लिए बड़ा परिवर्तनकारी साबित होगी। खांडू ने कहा कि चूंकि असम को निवेश केंद्र के रूप में –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में शांति बहाली की कोशिश में जुटा केंद्र

मैतेई और कुकी समुदाय के साथ की अहम बैठक

नई दिल्ली। मणिपुर में शांति की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र सरकार ने बैठक की है। बैठक का उद्देश्य दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजना है। बैठक का फोकस मैतेई और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना और मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति को बहाल करने के लिए रोडमैप तैयार करना है। –शेष पृष्ठ दो पर

उग्रवादियों ने भूमि विवाद को लेकर ग्राम प्रधान पर हमला किया

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार को उग्रवादियों ने एक ग्राम प्रधान पर कथित रूप से हमला कर दिया। घटना भूमि विवाद को लेकर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम प्रधान पर हमले के बाद से दो जनजातीय समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर करीब 12.15 बजे हुई। दर्जनों हथियारबंद उग्रवादी कांगपोकपी जिले के कोंसाखुल गांव में घुस आए। उन्होंने ग्राम प्रधान ऐमसन अबोनमई सहित कई –शेष पृष्ठ दो पर

असम को जल्द मिलेगा अंतरिक्ष से सूक्ष्म वस्तुओं पर नजर रखने का सक्षम रडार : इसरो

गुवाहाटी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही अपने बहुप्रतीक्षित नेत्रा (नेटवर्क फॉर स्पेस ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग एंड एनालिसिस) परियोजना के हिस्से के रूप में असम में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा स्थापित करेगा, जिसका उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता (एसएसए) क्षमताओं को बढ़ाना है। इस संबंध में, असम के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री केशव महंत ने इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के साथ बुधवार को गुवाहाटी के पास चंद्रपुर क्षेत्र का सर्वेक्षण किया, जिसे भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए स्थल के रूप में प्रस्तावित किया गया है। नेत्रा परियोजना की घोषणा सबसे पहले 2022 में मंत्री महंत ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की थी। यह घोषणा निरीक्षण के –शेष पृष्ठ दो पर

अशोकाष्टमी पर पूरे असम में श्रद्धा की लहर गुवाहाटी के घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गुवाहाटी (हि.स.)। अशोकाष्टमी के पावन अवसर पर आझ पूरे असम में भक्तिभाव और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। चैत माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाए जाने वाले इस पर्व पर राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित ब्रह्मपुत्र नद के तटों पर हजारों नहीं बल्कि लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गुवाहाटी के पांडु घाट पर शनिवार की सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। उत्तर बंगाल के कूचबिहार स्थित श्री चैतन्य करुणामयी सेवा आश्रम के श्रद्धालु भी इस अवसर पर ब्रह्मपुत्र में स्नान करने पहुंचे। स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने इस पुण्यदायी स्नान में भाग लिया। घाट के किनारे छोटे व्यापारियों ने पूजा सामग्री व अन्य आवश्यक वस्तुओं की दुकानें लगाई, जिससे क्षेत्र में धार्मिक उत्सव के साथ-साथ जीवंत आर्थिक गतिविधि भी देखी गई। कहा जाता है कि अशोकाष्टमी में ब्रह्मपुत्र नदी में स्नान करने से पुण्य लाभ होता है। इसलिए विशेष तिथि में पूरे राज्य भर में हजारों लोग ब्रह्मपुत्र नद में डुबकी लगाते हैं। अशोकाष्टमी में ब्रह्मपुत्र के किनारे जैसे गुवाहाटी, शुवालकुची, डिब्रूगढ़, तेजपुर, धुबड़ी, उत्तर गुवाहाटी के विभिन्न घाटों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ-कुछ जगह में मेला –शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान *मित्र विभूषण* से सम्मानित

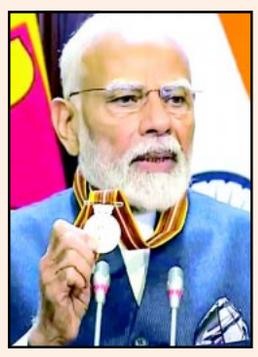

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीलंका के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी को शनिवार को श्रीलंका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान *मित्र विभूषण* प्रदान किया गया। यह नागरिक सम्मान उन्हें कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने दिया। इस पुरस्कार में दिया गया धर्म चक्र साझा बौद्ध विरासत को दर्शाता है जिसने दोनों देशों की सांस्कृतिक परंपराओं को आकार दिया है। चावल के ढेरों से सजा कलश –शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मंजिलें मिले ना मिले ये तो मुद्दर की बात है, लेकिन अगर हम कोशिश भी नहीं करें, ये तो बिल्कुल गलत बात है।

–अज्ञात

न्यूज गैलरी

शिवराज सिंह के काफिले का वाहन पलटा, तीन पुलिसकर्मी घायल

सीहोर। मध्य प्रदेश में सीहोर के पास केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान –शेष पृष्ठ दो पर

शिव मंदिर से माता पार्वती गायब, जांच में जुटी पुलिस

बलिया। बलिया जिले के मनियर थाना क्षेत्र में शिव मंदिर से मां पार्वती की प्रतिमा गायब कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मनियर थाना क्षेत्र के मनियर कस्बे के बड़ा पोखरा के समीप शिव मंदिर में स्थापित मां पार्वती की प्रतिमा को शुक्रवार की रात्रि उखाड़ कर गायब कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि जब मंदिर में लोग पूजा करने गए तो इसकी जानकारी हुई और फिर पुलिस को सूचना –शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में प्रसिद्ध ब्रह्मकुंडा मेले का भव्य आगाज, मुख्यमंत्री बोले–

14 करोड़ रुपए से किया जाएगा विकास

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने कहा है कि त्रिपुरा सरकार लगातार आदिवासी लोगों की संस्कृति और परंपरा के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है। इसके तहत ब्रह्मकुंडा मेला परिसर के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए 14 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह बात मुख्यमंत्री साहा ने पश्चिम त्रिपुरा जिले के मोहनपुर उपमंडल स्थित सिमना में ब्रह्मकुंडा मेला का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी लोगों की संस्कृति को संरक्षित करने के लिए काम कर रही है। हमारे पास 19 आदिवासी समुदाय हैं, जिनकी अपनी अनूठी संस्कृति और परंपराएं हैं। हम विभिन्न पहलों के माध्यम से उनकी धरोहर को बहाल और संरक्षित करने –शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने तेलंगाना में किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाके दंतेवाड़ा पहुंचे हुए हैं। वे आज बस्तर पंडुम महोत्सव 2025 में शामिल हुए। इसी दौरान पड़ोसी राज्य तेलंगाना के कोत्तागुडम में छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। यह जानकारी भद्राद्रि कोठागुडेम जिला मल्टी जोन 1 के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने दी। भद्राद्रि कोठागुडेम जिला मल्टी जोन 1 के आईजी –शेष पृष्ठ दो पर

ऑल इंडिया मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ बिल का समर्थन किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड ने संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है तथा सरकार से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाने तथा महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने कहा कि जो कदम आज सरकार ने उठाया है, वह पहले की सरकारों और धार्मिक नेताओं को उठाना चाहिए था। सकारात्मक काम होना चाहिए। जो लोग वक्फ को दान देते हैं, उनकी मंशा होती है कि उनके दान का इस्तेमाल गरीबों के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था। –शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवादियों ने चुराए पाक सेना के सुरक्षा कैमरे, फेसबुक पर लगाई सेल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान के पास टोंक जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां आतंकवादियों ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को तगड़ा झटका दिया है। उन्होंने न सिर्फ सुरक्षा के लिए लगाए गए कैमरे चुरा लिए, बल्कि अब उन्हें फेसबुक मार्केटप्लेस पर बेच भी रहे हैं। टोंक जिले की मुख्य सड़कों और सैन्य कैंपों के आसपास सुरक्षाबलों ने निगरानी के लिए कई कैमरे लगाए थे। दिलचस्प बात यह है कि इन कैमरों की निगरानी भी कुछ अन्य कैमरों से की जा रही थी। लेकिन बीते महीने के अंत में आतंकवादियों ने पहले सड़क किनारे लगे कैमरे चुराए और फिर धीरे-धीरे सेना के कैंपों के आसपास लगे सुरक्षा कैमरों पर भी हाथ साफ कर लिया। शुरुआत में पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने इन चोरी की घटनाओं को आम चोरी समझ कर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन जब आतंकियों ने चोरी किए गए कैमरे फेसबुक मार्केटप्लेस पर बेचना शुरू कर दिया, तो फौज की जमकर फजीहत होने लगी। आतंकवादी इन कैमरों की खूबियां, जैसे कितने एंगल पर घूम सकते हैं और किस क्वालिटी की तस्वीरें ले सकते हैं, बड़े शान से बताकर उन्हें बेच रहे हैं। –शेष पृष्ठ दो पर

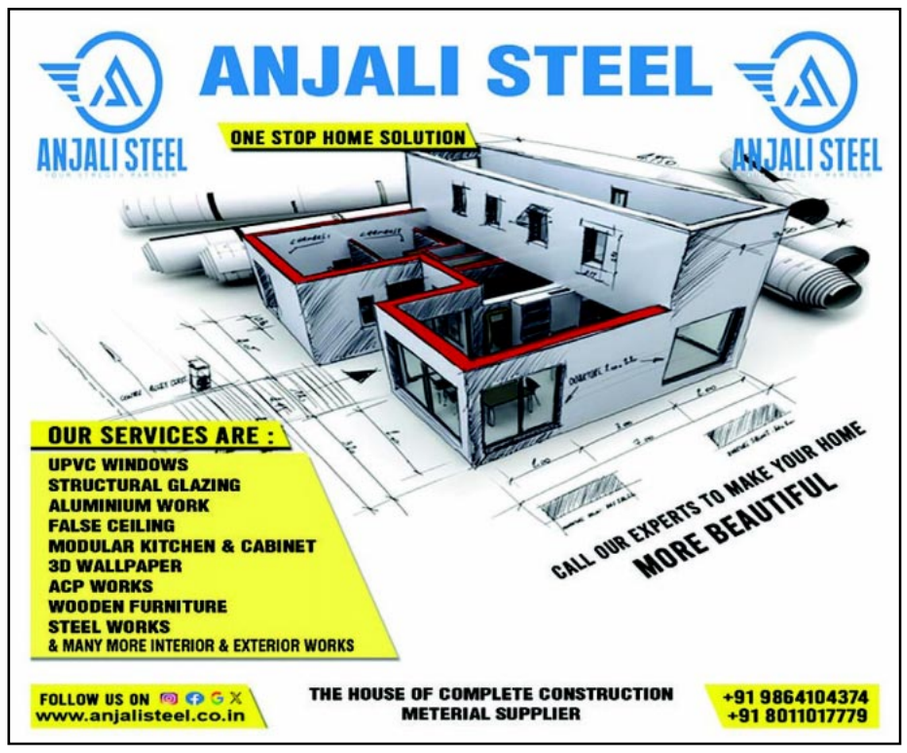

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत-श्रीलंका के सुरक्षा हित समान, हिंद महासागर में मिलकर करेंगे काम : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है और एक-दूसरे पर निर्भर है। दोनों देश कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव और हिंद महासागर में सुरक्षा सहयोग पर भी मिलकर काम करने के लिए सहमत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ आज कोलंबो में द्विपक्षीय वार्ता की। इसके बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ संयुक्त वक्तव्य दिया। प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत ने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों नेता सहमत हैं कि मामले के मानवीय पहलू को आगे बढ़ाना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किए जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर भी बल दिया। प्रधानमंत्री ने आज हुई घोषणाओं और समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि सामपुर सोलर पावर प्लांट से श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन के निर्माण और त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किए जाने के लिए, जो समझौता हुआ है, उसका लाभ श्रीलंका के सभी लोगों को मिलेगा। दोनों देशों के बीच ग्रिड को जोड़े जाने के समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात करने के विकल्प खुलेंगे। उन्हें खुशी है कि आज श्रीलंका में धार्मिक स्थलों के लिए पांच हजार सोलर रूफ टॉप सिस्टम का उद्घाटन किया जाएगा। श्रीलंका की यूनिक डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट में भी हम सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में ही हमने 10 करोड़ डॉलर से अधिक राशि के ऋण को ग्रांट में बदला है। हमारे द्विपक्षीय *डेट पुनर्गठन एग्रीमेंट* से श्रीलंका के लोगों को तत्काल सहायता और राहत मिलेगी। आज हमने ब्याज की दर को भी कम करने का निर्णय लिया है। यह प्रतीक है कि आज भी भारत श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ा है। पूर्वी प्रांतों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपए का सहयोग पैकेज दिया जाएगा। आज हमने किसानों की भलाई के लिए श्रीलंका के सबसे बड़े गोदाम का भी उद्घाटन किया। कल हम *माहो-ओमनथाई* रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे और *माहो-अनुराधापुर* सेक्शन पर सिग्नलिंग सिस्टम का शिलान्यास करेंगे। कांकेसंतुरई पोर्ट के आधुनिकीकरण के लिए काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लिए दस हजार घरों का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा। श्रीलंका के 700 अतिरिक्त कार्मिकों को भारत में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसमें सांसदों, न्यायपालिका से जुड़े लोगों, उद्यमियों, मीडियाकर्मियों, के साथ-साथ युवा लीडर्स भी शामिल होंगे। भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंधों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि 1960 में उनके गृह स्टेट गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के अवशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के पुनर्निर्माण में भारत सहयोग देगा।

पंचायत चुनाव के कारण कक्षा 11 की शेष परीक्षाएं रद्द

गुवाहाटी। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) ने 2025 के लिए शेष उच्चतर माध्यमिक (एचएस) प्रथम वर्ष की परीक्षाओं या कक्षा 11 की परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की है। यह निर्णय आगामी पंचायत चुनावों के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक चुनाव ड्यूटी में लगेंगे। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने पुष्टि की है कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि कई शिक्षक चुनाव ड्यूटी में शामिल होंगे, जिससे स्कूलों के लिए निर्धारित परीक्षाएं जारी रखना मुश्किल हो जाएगा। चुनाव प्रक्रिया 20 मई 2025 तक जारी रहेगी और शिक्षक तैयारी से लेकर प्रशिक्षण और मतगणना तक हर काम में व्यस्त रहेंगे। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने से पहले परीक्षाएं आयोजित करना संस्थानों के लिए बहुत मुश्किल होगा। चुनाव के बाद की तिथियां भी परीक्षाओं को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के लिए बहुत विलंबित होंगी। अच्छी खबर यह है कि मार्च 2025 की परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। बोर्ड के नए निर्देश के अनुसार, वे हमेशा की तरह 2026 में एचएस फाइनल परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। स्व-मूल्यांकन में रुचि रखने वालों के लिए, बोर्ड ने रद्द किए गए विषयों के प्रश्नपत्र उपलब्ध करा दिए हैं। छात्र अध्ययन और अभ्यास के उद्देश्य से इन्हें अपने संबंधित संस्थानों से प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, जो स्कूल समय से पहले प्रश्न-पत्र पैकेट खोलने के लिए जांच के दायरे में हैं, उन्हें इन सामग्रियों तक पहुंच की अनुमति नहीं है। यह घटनाक्रम राज्य की शैक्षणिक गतिविधियों पर चुनावी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण प्रभाव को रेखांकित करता है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया फॉरेस्टर

दरंग (हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता निदेशालय, असम को एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुरुआ फॉरेस्ट रेंज ऑफिस, बघारा, जिला दरंग में कार्यरत फॉरेस्टर ग्रेड-1 अमिनुर रहमान ने शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। यह रिश्वत शिकायतकर्ता के ट्रैक्टर/डम्पर को बिना किसी बाधा के मिट्टी ढुलाई कार्य में लगाने देने के बदले मांगी गई थी। शिकायतकर्ता रिश्वत देने को तैयार नहीं था, इसलिए उसने भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय से संपर्क कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। निदेशालय की टीम ने शनिवार को जिला दरंग के सिपाझार क्षेत्र में जाल बिछाया। अमिनुर रहमान को बिजली ढाबा के पास सिपाझार में पांच हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। यह रकम मांगी गई कुल राशि का एक हिस्सा थी। रिश्वत की रकम उसके पास से बरामद की गई और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में जब्त कर ली गई। आरोपित के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उसे भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक पुलिस थाना (एसीबी) में मामला संख्या 31/2025, दिनांक 05/04/2025 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(ए) के तहत दर्ज किया गया है।

भाजपा सरकार की नींव झूठ, फूट और लूट पर : दीपेंद्र हुड्डा

सोनीपत (हिंस)। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बरोदा विधानसभा कार्यालय में धन्यवाद समारोह में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार जनभावना पर नहीं, बल्कि झूठ, फूट और लूट की नींव पर टिकी है। दीपेंद्र ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में साम-दाम-दंड-भेद का सहारा लिया, झूठ और फूट फैलाई, और लूट का पैसा पानी की तरह बहाया। सरकार बनते ही उनका घमंड सातवें आसमान पर पहुंच गया। शनिवार को दीपेंद्र ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हरियाणा ने कांग्रेस को 5 सांसद दिए और विपक्ष को 48 प्रतिशत वोट मिले, जो देश के 28 राज्यों में सबसे बेहतर प्रदर्शन है। विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के 37 विधायक चुने गए और वोट प्रतिशत भाजपा के बराबर रहा।

गरीब मुसलमान बंधुओं के लिए वक्फ संशोधन कानून एक नई उम्मीद : लाजवंती झा

सहरसा (हिंस)। संसद के दोनों सदनों में वक्फ संसोधन विधेयक और मुसलमान वक्फ निरसन विधेयक का पारित होना देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है। यह सामाजिक आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को सामने लाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदे मंद होगा जो लम्बे समय से हाशिए पर रहे हैं, जिनकी आवाज अनसुनी रही है और उन्हे अवसरो से वंचित रहना पड़ा है। उक्त बातें निवर्तमान भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष लाजवंती झा नें कही। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2025, जिसे उम्मीद विधेयक के रूप में भी जाना जाता है। अप्रैल में संसद में पारित किया गया। भारत में वक्फ संपत्तियों के शासन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रस्ताव करता है। यह कानून 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करना चाहता है। जिसका उद्देश्य सिस्टम के भीतर लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को संबोधित करते हुए वक्फ संपत्तियों के प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता को बढ़ाना है। मूल रूप से 2024 में पेश किया गया, बिल एक संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जांच से गुजरा। व्यापक समीक्षा प्रक्रिया और जन विचार-विमर्श के बाद इसे लोकसभा और राज्यसभा में उम्मीद विधेयक एकीकृत प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास के रूप में पारित किया गया। अगली कार्रवाई विधेयक के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी है, जिसके बाद यह कानून बदल जाएगा। वक्फ यानी अल्लाह के नाम पर किया गया दान, जिसका उद्देश्य धार्मिक और सामाजिक दोनों होता है लेकिन इस बात से मुसलमान समाज भी सहमत है कि वक्फ के नाम पर कई गलतियां हुई हैं।

मिजोरम में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का कहर एक हजार से ज्यादा सूअरों की मौत

नई दिल्ली। अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएफएस) ने मार्च के महीने में मिजोरम में अपना कहर दिखाया और अब तक 1050 सूअरों की मौत हो चुकी है। राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग (एएचवीडी) के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक तीन जिलों के 34 इलाकों को एएसएफ इंफेक्टेड जोन घोषित किया गया है। मिजोरम के जिन तीन जिलों को एएफएस इंफेक्टेड घोषित किया गया है, वो हैं लॉन्गतलाई, ममित और सियाहा। लॉन्गतलाई जिले की सीमा म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा से लगी हुई है, ममित जिला त्रिपुरा और बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करता है और सियाहा की सरहद म्यांमार से लगी हुई है। राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग की कई टीमों ने इन जिलों में अब तक 400 से अधिक सूअरों और उसके बच्चों को मार डाला है। अफ्रीकी स्वाइन फीवर के नए आउटब्रेक की पुष्टि 20 मार्च को गुवाहाटी में नॉर्थ-ईस्ट रिजनल डिजीज डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी में टेस्ट के जरिए हुई थी। राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मार्च महीने की शुरुआत में लॉन्गतलाई जिले में एएसएफ के नए आउटब्रेक की पुष्टि हुई थी। राज्य सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। अप्रभावित क्षेत्रों में इस बीमारी को पहुंचने से रोकने की कोशिश लगातार जारी है। पिछले साल एएसएफ के कारण मिजोरम को 336.49 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। करीब 15 हजार सूअरों की मौत हो गई थी। बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए 24 हजार 200 सूअरों को मार डाला गया था। राज्य पशुपालन और चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि एएसएफ आउटब्रेक के कारण सूअरों और सूअर के बच्चों को मारे जाने को ध्यान में रखते हुए मिजरम को 2021 में 334.14 करोड़ रुपए, 2022 में 210.32 करोड़ रुपए और 2023 में 15.77 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। इसके बाद सरकार ने सूअरों के नुकसान के लिए सैकड़ों परिवारों को मुआवजा दिया था। अफ्रीकी स्वाइन फीवर फिलहाल इंसानों के लिए खतरनाक नहीं है क्योंकि ये ह्यूमन को अटैक नहीं करता है। ये सूअरों और जंगली सूअरों में फैलने वाली एक खतरनाक बीमारी और ये उनके लिए जानलेवा भी है। हालांकि, ये बीमारी इंसानों को इंडायरेक्ट तरीके से अफेक्ट कर सकता है, जैसे सूअर पालन उद्योग को नुकसान, मांस की कमी और आर्थिक नुकसान।

पृष्ठ एक का शेष

असम, अरुणाचल के ...

त्यौहार पारंपरिक सफेद पोशाक में महिलाओं द्वारा लोकगीतों की धुनों के साथ किए जाने वाले सुंदर पोपिर नृत्य के साथ जीवंत हो जाता है। संगीत, नृत्य और दावत के माध्यम से, मोपिन सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है और पीढ़ियों के बीच अपनेपन की गहरी भावना को बढ़ावा देता है। मुख्यमंत्री शर्मा ने अरुणाचल प्रदेश के लोगों को मोपिन की शुभकामनाएं दीं और सभी को राज्य और देश की असाधारण विविधता को संजोने के लिए प्रोत्साहित किया। अरुणाचल प्रदेश सिर्फ एक राज्य नहीं है; यह सांस्कृतिक वैभव का जीवंत, सांस लेने वाला कैनवास है। यह एक ऐसी भूमि है जहां परंपरा और आधुनिकता सामंजस्यपूर्ण रूप से सह-अस्तित्व में हैं। इस राज्य में प्राकृतिक सुंदरता उतनी ही मनमोहक है जितनी यहां के लोगों की गर्मजोशी। यहां, हर त्यौहार, नृत्य और व्यंजन विरासत और गौरव की कहानी कहते हैं, और जैसा कि हम अरुणाचल प्रदेश के सार का जश्न मनाते हैं, आइए हम उस अविश्वसनीय विविधता को संजोएं और उसका सम्मान करें जो अरुणाचल प्रदेश और हमारे देश को असाधारण बनाती है, सीएम शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि मोपिन उत्सव के उत्सव ने सभी को स्वदेशी आदिवासी संस्कृति को संरक्षित करने और मनाने के गहरे महत्व को प्रतिबिंबित करने का अवसर दिया। शर्मा ने कहा कि गीत, नृत्य और अनुष्ठानों की परंपराएं सिर्फ पहचान के प्रतीक नहीं हैं; वे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अस्तित्व का सार हैं, जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं। उन्होंने लोगों को अनादि काल से प्रकृति से जोड़ने में भी मदद की है। असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने पूर्वोत्तर राज्यों की जीवंत संस्कृति और त्यौहारों पर प्रकाश डाला, कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, कभी उपेक्षित रहा यह क्षेत्र अब ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि दशकों से अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और निवेश, खासकर कनेक्टिविटी में, ने इस क्षेत्र के विकास में बाधा डाली है, जिससे यह आर्थिक रूप से पिछड़ा और भौगोलिक रूप से अलग-थलग पड़ गया है। हालांकि, प्रधानमंत्री की *ट्रांसपोर्ट के माध्यम से परिवर्तन* और *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* जैसी दूरदर्शी पहलों के साथ, पूर्वोत्तर ने कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे और आर्थिक एकीकरण में अभूतपूर्व विकास देखा है। इस प्रतिमान बदलाव ने क्षेत्र की विशाल क्षमता को खोल दिया है, जिससे यह एक दूरस्थ परिधि के रूप में नहीं, बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित हो गया है। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच मौजूदा मित्रता पर बोलते हुए और महान गायक डॉ भूपेन हजारिका का जिक्र करते हुए, असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मोपिन उत्सव गहरी जड़ें वाले प्रेम और एकता का प्रतीक है, जो सीमाओं को पार करता है और असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच साझा विरासत को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लिए डॉ भूपेन हजारिका के अगाध प्रेम और स्नेह को देखते हुए और इसके विपरीत, 2026 में *ब्रह्मपुत्र के कवि* की जयंती का शताब्दी समारोह असम के साथ अरुणाचल प्रदेश में भी मनाया जाएगा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सांस्कृतिक मामले विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि मंत्री दिसंगलू पुल, खेल और युवा मामले आदि मंत्री केंटो जिनी, पश्चिम आलो टोपिन एटे के विधायक, केएएसी के मुख्य मंत्री तुलीराम रोंगहांग। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल कोच गुम्पे, राइम, ब्रिगेडियर, 5वीं माउंटेन इन्फैंट्री शाहिद अहमद खान और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री खांडू ने पूर्वोत्तर...

पेश किया जा रहा है, इसलिए पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों को भी लाभ होगा, क्योंकि निवेशक इस क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच दशकों पुराने अंतर-राज्यीय सीमा विवाद को सुलझाने के लिए 15 जुलाई, 2022 का ऐतिहासिक *नामसाई घोषणापत्र* शर्मा की सक्रिय भूमिका के कारण ही संभव हो सका। खांडू ने कहा कि हिमंतजी के सहयोग से लगभग सभी सीमा संबंधी मुद्दे सुलझ गए हैं, सिवाय कुछ क्षेत्रों के, जहां दोनों राज्यों की समितियां फिर से विचार करेंगी। हमें उम्मीद है कि इन्हें भी जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। खांडू ने पश्चिमी सियांग जिले के मुख्यालय आलो में दैनिक बाजार शेड के निर्माण के लिए 15 करोड़ रुपए और बहुमंजिला पार्किंग स्थल के लिए 10 करोड़ रुपए की घोषणा भी की। शर्मा ने अपने भाषण में आधुनिकीकरण के बीच स्वदेशी संस्कृति को संरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया तथा आधुनिकता को अपनाने और परंपरा का सम्मान करने के बीच संतुलन की वकालत की। असम के लोगों की ओर से मोपिन त्योहार पर शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह जीवंत त्योहार सभी के लिए शांति, समृद्धि और खुशी लेकर आएगा। शर्मा ने अपने पूर्वजों से विरासत में मिली समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए गैलो की प्रशंसा की। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में स्वदेशी संस्कृति की निरंतर उपस्थिति पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे सदियों पुरानी परंपराएं समकालीन समाज में कायम हैं। कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) डॉ. तुलीराम रोंगहांग, शर्मा के साथ आलो में मोपिन समारोह में शामिल हुए। मोपिन, अरुणाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। यह एक कृषि त्योहार है जिसे पश्चिमी सियांग, लेपरदा, निचले सियांग, पूर्वी सियांग और ऊपरी सुबनसिरी जिलों तथा अन्य गालो बहुल क्षेत्रों में गालो जनजाति द्वारा अच्छी फसल, शांति और समृद्धि के लिए मनाया जाता है।

मैतेई और कुकी ...

बैठक में सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर अधिक जोर दिया। मीटिंग में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों समेत 6 सदस्यीय मैतेई प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कुकी प्रतिनिधिमंडल में 9 लोग शामिल थे। केंद्र सरकार के वार्ताकारों में खुफिया ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक एके मिश्रा भी मौजूद रहे। गुरुवार को लोकसभा में मणिपुर पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पिछले दिनों मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के विभिन्न संगठनों के साथ अलग-अलग बैठकें की गईं। तब उन्होंने कहा था कि गृह मंत्रालय जल्द ही एक संयुक्त बैठक बुलाएगा। अमित शाह ने कहा कि सरकार हिंसा को समाप्त करने का रास्ता तलाशने में जुटी है। मगर सर्वोच्च प्राथमिकता शांति स्थापित करना है। मणिपुर में स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है। पिछले 4 महीनों में कोई मौत नहीं हुई है। मगर इसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता, क्योंकि विस्थापित लोग अभी राहत शिविरों में हैं। 9 फरवरी को सीएम पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। बता दें कि मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मैतेई और पहाड़ों पर बसे कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से अब तक लगभग 260 लोगों की जान जा चुकी है। हजारों लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ा। पिछले साल पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया था। भल्ला ने 3 जनवरी को अपना पदभार संभाला था। इसके बाद से वे मणिपुर के लोगों से मिल रहे हैं। थानों से लूटे गए हजारों हथियारों को सरेंडर करने की अपील भी कर चुके हैं। इसका असर यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोगों ने प्रशासन के सामने हथियारों को जमा करवाया।

उग्रवादियों ने भूमि ...

ग्रामीणों पर हमला कर दिया। कोंसाखुल गांव नागा बहुल है। वहां के निवासियों ने दावा किया है कि उग्रवादी कथित रूप से कुकी समुदाय के थे। वह पड़ोसी हराओथेल गांव के रहने वाले हैं। अधिकारियों के अनुसार, हमले में घायल हुए ग्राम प्रधान अबोनमई को इंफाल के सरकारी रिम्स में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा, आठ अन्य घायल ग्रामीणों का खुरखुल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सभी खतरे से बाहर हैं। इस बीच, रोंगमेई नागा परिषद ने ग्रामीणों पर हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही कुकी नेताओं से अपील की है कि वे भविष्य में ऐसी घटनाओं की अनुमति न दें। परिषद के उपाध्यक्ष अथुआन गंगमेई ने संवाददाताओं से कह कि ऐसे समय में जब राज्य पहले से ही कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है। ऐसे में ऐसी घटनाओं से पहाड़ियों में अशांति पैदा होने की संभावना है। हम कुकी उग्रवादियों द्वारा नागा गांव के प्रधान पर हमले की कड़ी निंदा करते हैं। दूसरी तरफ, ग्राम प्रधान पर हमले के बाद से पुलिस अलर्ट हो गई है। पुलिस ने पहाड़ी गांव में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। बता दें कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जातीय हिंसा में मई 2023 से अब तक 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा, हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

असम को जल्द मिलेगा...

लिए प्रस्तावित स्थल पर उनके दौरे के बाद की गई, जहां उन्होंने परियोजना के संभावित बुनियादी ढांचे और परिचालन योजनाओं की समीक्षा की। मीडिया को संबोधित करते हुए, इसरो के अध्यक्ष ने परियोजना की क्षमता के बारे में बात की, जिसमें कहा गया कि सहयोग बड़े पैमाने पर होगा, रडार के एक नेटवर्क के माध्यम से जो अंतरिक्ष में सभी वस्तुओं की निगरानी करने जा रहा है। नारायणन ने कहा कि ये रडार 2000 किलोमीटर की दूरी पर 10 सेमी त्रिज्या तक की वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगले चार वर्षों में बुनियादी ढांचे के पूरी तरह से चालू हो जाने की उम्मीद है। एक्स पर एक पोस्ट में, अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह बहुउद्देशीय सुविधा भारत को अपनी अंतरिक्ष संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगी, साथ ही भारतीय मौसम सलाहकार सेवाओं का भी समर्थन करेगी। पोस्ट में मंत्री महंत द्वारा इस प्रयास के लिए राज्य सरकार से पूर्ण समर्थन के वादे पर प्रकाश डाला गया और छात्रों और जनता के लाभ के लिए क्षेत्र में एक अंतरिक्ष संग्रहालय स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया।

अशोकाष्टमी पर पूरे ...

भी लगा। तेजपुर के गणेशघाट पर भी ब्रह्मपुत्र के किनारे सुबह से भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। दिनभर के कार्यक्रमों के साथ वहां अष्टमी मेला आयोजित किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु सहभागी बने। इसी प्रकार धुबड़ी में भी अष्टमी के अवसर पर लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए। पारंपरिक रूप से यहां अष्टमी मेला आयोजित होता है और इस दिन को पवित्र मानते हुए ब्रह्मपुत्र में स्नान कर भक्तजन पापमोचन और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। पहले यह उत्सव केवल सनातन धर्म के अनुयायियों तक सीमित था, लेकिन अब विभिन्न हिंदू सम्प्रदायों के लोग भी इस अवसर पर स्नान और पूजा-अर्चना में शामिल होते हैं। बंगाईगांव जिले के ऐतिहासिक योगीघोपा घाट पर भी अष्टमी मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बरपेटा, चिरांग, कोकराझाड़ और ग्वालपाड़ा जिलों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इस तीन दिवसीय मेले के दूसरे दिन आज सुबह हजारों भक्तों ने ब्रह्मपुत्र नद में पवित्र स्नान, मुंडन, पिंडदान और अस्थि विसर्जन जैसे धार्मिक कर्मकांड किए। धर्मशास्त्रों के अनुसार, इस विशेष तिथि पर ब्रह्मपुत्र में स्नान करना गंगा स्नान के बराबर पुण्यकारी माना जाता है। नगांव जिले के कचुआ स्थित श्रीश्री माधव थान में इस वर्ष 87वां अष्टमी मेला आयोजित किया गया। यहां भी भक्तों ने सुबह बरपानी नदी में स्नान किया और दिन भर नाम-कीर्तन व अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। असम के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां पहुंचे, जिससे यह पावन अवसर श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया।

14 करोड़ रुपए से किया...

के प्रयास कर रहे हैं ताकि यह खो न जाए, उन्होंने कहा। डॉ. साहा ने कहा कि यहां आकर मुझे यह जानने को मिला कि ब्रह्मकुंडा मेला की शुरुआत कैसे हुई। यह मेला साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इस परंपरा को जीवित रखते हुए, लोग अपने पूर्वजों की याद में अनुष्ठान करते हैं। पहले, बांग्लादेश से भी लोग यहां आते थे, लेकिन वर्तमान स्थिति के कारण वे अब नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे मेले कई पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह सिर्फ एक मेला नहीं है; यहां हम अपनी समृद्ध संस्कृति और धरोहर को देख सकते हैं। हम राज्य को *एक त्रिपुरा, श्रेष्ठ त्रिपुरा* बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो यहां दिखाई दे रहा है। यहां महिलाओं की उपस्थिति पुरुषों से अधिक है। यह धरोहर अगली पीढ़ी द्वारा भी याद की जाएगी। लोग इन सुंदर क्षणों में जीना चाहते हैं। यह मेला अगले तीन दिनों तक जारी रहेगा। हमारी सरकार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है ताकि लोग राज्य की समृद्ध संस्कृति और इतिहास के बारे में जान सकें। जब हम त्रिपुरा से बाहर यात्रा करते हैं, तो हमें अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस होता है। ब्रह्मकुंडा मेला के विकास के लिए 14 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। हमने अवसंरचना विकास के लिए अपने बजट को बढ़ाया है ताकि अधिक लोग यहां आएं और निवेश करें, जिससे समग्र प्रगति हो। हमारी सरकार लोगों की सरकार है। ठीक वैसे ही जैसे पीएम मोदी देश के लिए काम कर रहे हैं, हम भी उसी दिशा में काम कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में उद्योग और वाणिज्य राज्य मंत्री बृस्केतु देबबर्मा, पश्चिम त्रिपुरा जिला परिषद के कार्यवाहक सभाध्यक्ष बिश्वजीत शील, त्रिपुरा टी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष समीर रंजन घोष, पश्चिम त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट डॉ. विशाल कुमार, आईसीए विभाग के निदेशक बिंबिसार भट्टाचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के 86 ...

चंद्रशेखर रेड्डी ने कोठागुडेम के हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय में आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को बताया कि छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने भद्राद्री कोठागुडेम जिले और मुलुगु जिले की पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में 66 पुरुष और 20 महिला नक्सली शामिल हैं। आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना सरकार के चलाए जा रहे ऑपरेशन चेयुथा कार्यक्रम के तहत इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25-25 हजार रुपए दिए गए।

प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका ...

समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह इस सम्मान को पाकर बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ उनका नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों को सम्मान है। उन्होंने श्रीलंका और भारत के संबंधों के बारे में कहा कि श्रीलंका केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि भारत का पारंपरिक और भरोसेमंद मित्र भी है। उन्होंने कहा कि भारत हर मुश्किल घड़ी में श्रीलंका के साथ खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा। वहीं श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत के समय श्रीलंका की सहायता करने और निरंतर उनके देश के साथ एकजुटता दर्शाने के लिए सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को यह आश्वासन दिया कि श्रीलंका अपने क्षेत्र का किसी भी तरह इस्तेमाल नहीं होने देगा जिससे भारत के सुरक्षा हितप्रतिकूल रूप से प्रभावित हों।

ऑल इंडिया मुस्लिम ...

ऐसा नहीं है कि सभी वक्फ की जमीनों का दुरुपयोग किया गया, लेकिन वक्फ बोर्ड ने ईमानदारी से काम नहीं किया और जो करना चाहिए था, वह नहीं किया। हम सरकार से उम्मीद करते हैं और अनुरोध करते हैं कि अगर बिल आया है, तो वक्फ की जमीनों का इस्तेमाल पूरी पारदर्शिता के साथ गरीब तबके के लिए किया जाए। आज तक किसी भी सरकार ने मुसलमानों के लिए काम नहीं किया और उन्होंने सिर्फ वोटों की राजनीति की। शाइस्ता अंबर ने कहा कि वक्फ की जमीनों पर अवैध कब्जे को मुक्त कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम भाजपा सरकार से महिलाओं के अधिकार दिलाने और वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता लाने का अनुरोध करते हैं। अब तक अन्य पार्टियों ने क्या किया, क्या वे सो रही थीं? मैं मौजूदा सरकार से अनुरोध करती हूं कि आज तक जो कुछ भी हुआ, उसे अब वक्फ की जमीनों को मुक्त कराने में मदद करें, जिन पर अवैध कब्जे हुए हैं, इसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

आतंकवादियों ने चुराए...

कैमरों की बिक्री के लिए बाकायदा दाम भी तय किए गए हैं, और आम लोग उन पर मोलभाव भी कर रहे हैं। मामला तूल पकड़ने के बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने चोरी का केस दर्ज कर लिया और जांच शुरू की। हालांकि अब तक न तो कैमरे बरामद हुए हैं और न ही उन्हें चुराने वाले आतंकवादी पकड़े गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब फेसबुक पर बने उन पेजों को बंद कराने की कोशिश कर रही हैं जिनसे ये कैमरे बेचे जा रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी पाकिस्तान में डाकुओं ने फेसबुक के जरिए बड़े पैमाने पर अपना प्रचार किया था। तब भी सुरक्षाबलों को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी और सख्ती बरतने के बाद उन अकाउंट्स को बंद करवाया गया था। अब इस नए मामले ने एक बार फिर पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों की सोशल मीडिया पर भारी किरकिरी कर दी है।

शिवराज सिंह के ...

शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा, तभी काफिले में शामिल पुलिस की फॉलो गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में वाहन में सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों की पहचान एएसआई एसपी सिमोलिया, नीरज शुक्ला और आकाश अटल के रूप में हुई है। इन सभी को सीहोर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी का इलाज किया जा रहा है। शनिवार को रायसेन में भी एक सड़क हादसा हुआ। यहां खंडेरा माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे पैदल श्रद्धालुओं को एक कार ने टक्कर मार दी। हादस में दो लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं।

शिव मंदिर से माता ...

दी गई। थाना प्रभारी रत्नेश दूबे ने शनिवार को बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पुलिस ने शिव मंदिर में नई प्रतिमा स्थापित करा दी है। उन्होंने बताया कि मौके पर शांति कायम है। दूबे ने बताया कि इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है, लेकिन पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

असम राइफल्स ने चलाया पौधरोपण अभियान

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स ने आज लोकरा गैरीसन में सुबह 6 बजे से पौधारोपण अभियान चलाया। इस कार्यक्रम में 20 स्थानीय निवासियों और असम राइफल्स के 15 कर्मियों सहित 35 व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी निभाई अभियान का प्राथमिक उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना, वनीकरण प्रयासों का समर्थन करना और पर्यावरण के अनुकूल पहलू में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और पारिस्थितिक संवर्धन में योगदान देने के लिए गैरीसन परिसर में और इसके आसपास विभिन्न पौधे लगाए गए। स्थानीय लोगों की उत्साही भागीदारी ने असम राइफल्स और स्थानीय समुदाय के बीच मजबूत बंधन को प्रतिबिंबित किया। इस कार्यक्रम का समापन नए लगाए गए पौधों की सुरक्षा और पोषण करने की शपथ के साथ सकारात्मक रूप से हुआ, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित हो सके।

सरकारी कार्यालयों में असमिया भाषा के उपयोग के कैबिनेट निर्णय पर असम साहित्य सभा प्रसन्न

दरंग (हिंस)। असम सरकार द्वारा प्रथम बोहाग (असमिया नववर्ष) से सभी सरकारी कार्यालयों में असमिया भाषा के उपयोग को अनिवार्य करने के कैबिनेट निर्णय पर असम साहित्य सभा ने प्रसन्नता जाहिर की है। दरंग जिला असम साहित्य सभा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम राज्य की भाषाई गरिमा और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा। नए फैसले के अनुसार, प्रथम बोहाग से सरकारी कार्यालयों में अंग्रेजी के साथ-साथ असमिया भाषा का भी उपयोग करना अनिवार्य होगा। साहित्य सभा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के इस फैसले की सराहना करते हुए यह भी मांग की कि सरकारी कार्यालयों के अलावा व्यावसायिक संस्थानों में भी असमिया भाषा में नामपट्ट (साइनबोर्ड) लगाना अनिवार्य किया जाए। सभा ने इसे असमिया भाषा के संवर्द्धन और संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कदम बताया।

राभा-हासोंग चुनाव : भारी समर्थन के लिए मुख्यमंत्री ने जताया आभार

अमित शाह तथा नड्डा ने मतदाताओं को दिया धन्यवाद

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राभा-हासोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों में एनडीए को विजयी बनाने के लिए लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, असम के मुख्यमंत्री ने इस जीत को *असम में एक और भगवा लहर* बताया। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया कि असम में एक और भगवा लहर! राभा-हासोंग स्वायत्त परिषद के लोगों को एक स्वर में बोलने और माननीय प्रधान मंत्री श्री @narendramodi जी की कल्याणकारी नीतियों, विशेष रूप से स्वदेशी समुदायों के लिए समर्थन करने के लिए हमारी हार्दिक कृतज्ञता। उधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में संपन्न राभा-हासोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिले भारी समर्थन के लिए असम की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जहां गठबंधन ने 36 में से 33 सीटें जीतकर व्यापक जीत हासिल की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शाह ने असमिया में एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताने के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रचंड जनादेश मोदी के विजन और शासन में जनता के भरोसे को दर्शाता है। शाह ने लिखा कि आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जो भरोसा और विश्वास जताया है, वह हमें आपकी और बेहतर सेवा करने के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने असम में एनडीए की टीम को भी बधाई दी, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे, जिन्होंने राभा-हासोंग के लोगों तक सरकार के विकास के दृष्टिकोण को पहुंचाने में समर्पित प्रयास किए। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव परिणामों पर बधाई दी कि असम में राभा-हासोंग स्वायत्त परिषद (आरएचएसी) चुनावों में शानदार जीत पर एनडीए के सहयोगियों को मेरी हार्दिक बधाई। यह जनादेश माननीय पीएम नरेंद्र मोदी जी के शासन और दृष्टिकोण में लोगों के विश्वास को दर्शाता है, जिनके नेतृत्व ने पूरे राज्य में सार्थक परिवर्तन और विकास किया है। मैं राभा-हासोंग के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और भाजपा असम के कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की सराहना करता हूं जिन्होंने इस जीत को संभव बनाया। मालूम हो कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने असम के राभा-हासोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों में 36 में से 33 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की। असम राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, कांग्रेस आदिवासी परिषद की केवल एक सीट जीतने में सफल रही। भाजपा ने 6 सीटें जीतीं, उसकी सहयोगी पार्टी राभा-हासोंग जौथो संग्राम समिति ने 27 सीटें जीतीं और 2 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव जीता। भाजपा ने 6 सीटें जीतीं: 02-कोठाकुथी, 15-अगिया, 22-बोंडापारा, 30-बामुनिगांव, 35-सिलपुटा, 20-जॉयरामकुची (निर्विरोध)। मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) टंकेश्वर राभा ने एक बार फिर नंबर 7 दक्षिण दुधनोई परिषद निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की।

गुवाहाटी पुलिस की तीन महीनों में बड़ी कामयाबी

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर पुलिस ने चालू वर्ष के जनवरी से मार्च तक तीन महीनों में अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस दौरान 587 चोरों को गिरफ्तार कर 530 मामलों में करीब 5 करोड़ रुपए मूल्य की चोरी की वस्तुएं बरामद की गईं। गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त अंकुर जैन ने आज संवाददाता सम्मेलन में बताया कि संपत्ति के खिलाफ अपराध के तहत पुलिस ने 6 घंटे में 55, 12 घंटे में 59 और 24 घंटे में 49 मामलों को सुलझाकर त्वरित कार्रवाई में सफलता पाई। इसी दौरान शहर के विभिन्न स्क्रैप डंपों पर छापेमारी कर चोरी का माल बरामद किया गया और 41 डंप मालिक व कर्मचारी गिरफ्तार किए गए। वाहन चोरी के मामलों में भी पुलिस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 22 चारपहिया और 81 दोपहिया वाहन बरामद किए। इस सिलसिले में 84 चोर गिरफ्तार किए गए। साथ ही मेघालय और मणिपुर में सक्रिय अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ भी किया गया। ड्रग्स के खिलाफ चलाए गए अभियान में 192 ड्रग्स पैडलरों को गिरफ्तार किया गया। इस अवधि में 140 एनडीपीएस केस दर्ज किए गए। पुलिस ने कुल चार किलो हेरोइन, तीन सौ किलो गांजा और सात हजार कोडीन सिरप की बोतलें जब्त की हैं। महानगर को अपराध मुक्त और सुरक्षित बनाने की दिशा में गुवाहाटी पुलिस ने 20 झपटमारों व मोबाइल चोरों को भी पकड़ा। 239 लापता लोगों को ढूंढ निकाला गया और 838 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गए। इसके अलावा पुलिस ने 4923 पासपोर्ट, 795 पीआरसी, 1987 सेवा सेतु, 552 सर्विस व अन्य वेरिफिकेशन मामलों को भी पूरा किया। जनता से सीधे संवाद के लिए पुलिस कमिश्नर द्वारा जारी किए गए मोबाइल नंबर 60269-00651 पर पिछले तीन महीनों में 1051 शिकायतें मिलीं, जिनमें से लगभग सभी का समाधान कर लिया गया है। 42 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। पुलिस सेवा को अंजाम तक पहुंचाने की दिशा में, दुर्घटना पीड़ितों को 172 फॉर्म-54 और मृतकों के परिजनों को 76 पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई।

कामाख्या धाम सहित गुवाहाटी में धूमधाम से मना बसंती पूजा

गुवाहाटी (हिंस)। चैत्र नवरात्र पर कामाख्या धाम में चल रही बसंती पूजा में शनिवार को महाअष्टमी पूजा संपन्न हुई। इस दौरान मंदिर को सुंदर रूप से सजाया गया। बासंती पूजा व नवरात्र के अवसर पर कामाख्या धाम में भारी भीड़ दिखाई दी। लोग मां के दर्शन के लिए मंदिर में पहुंचे और पूजा-अर्चना की। उधर गुवाहाटी के विभिन्न स्थानों में बसंती पूजा का आयोजन किया गया।पांडू रेलवे बाजार में 72 वा बसंती पूजा का आयोजन किया गया। शनिवार को धूमधाम से अष्टमी पूजा संपन्न हुई। पूजा के अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता व टेराकोटा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उधर गोटानगर स्थित बसंती पूजा कमेटी के द्वारा बसंती पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के अवसर पर बच्चों में चित्रांकन प्रतियोगिता, नाम कीर्तन, नगाड़ा नाम का आयोजन किया गया। अष्टमी के दिन विष्णु ज्योति नाटक गोष्ठी के द्वारा जीवन मरीचिका नामक नाटक का मंचन किया गया। नवमी में कुमारी पूजा के साथ पदयात्रा निकल जाएग। इसके साथ चलेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम। पांडु के सनातन विद्यालय में भी बसंती पूजा व नवरात्रि का आयोजन किया गया। इस पूजा का विशेष आकर्षण कुमारी पूजा रहा है। आज के दिन कुमारी कन्याओं की देवी मां के रूप में पूजा की गई। पूजा को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पूजा स्थल पर पसहुंचे। संध्या के समय विशेष आरती का आयोजन किया गया। रविवार को धूमधाम से महानवमी पूजा का आयोजन किया जाएगा और सोमवार को मूर्ति विसर्जन के साथ पूजा संपन्न हो जाएगा।

असम-अरुणाचल सीमा पर संयुक्त सर्वेक्षण

बिश्वनाथ (हिंस)। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच चल रहे सीमा विवाद के समाधान के उद्देश्य से दोनों राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों ने सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त जीपीएस सर्वेक्षण किया। यह कदम हाल ही में बिहाली क्षेत्र में हुई एक विवादास्पद घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें पेड़ लगाने के दौरान अरुणाचल के लोगों और प्रशासन द्वारा आपत्ति जताई गई थी। जिला प्रशासन के सूत्रों ने आज बताया है कि इस सर्वेक्षण में असम के बिश्वनाथ जिला प्रशासन की ओर से आयुक्त मुनेंद्रनाथ नांग, पुलिस अधीक्षक शुभाशीष बरुवा, अतिरिक्त उपायुक्त पुष्पेन्द्र पाटिर, वन विभाग के अधिकारी विश्वजीत दास और बिहाली उपसंभागीय अधिकारी ध्रुवज्योति दास सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला प्रशासन की टीम ने भी इसमें भाग लिया। सर्वेक्षण के दौरान बिहाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिगंत घटोवाल और अरुणाचल की दोमुख विधानसभा सीट के विधायक नाबाम विवेक भी उपस्थित रहे। यह जीपीएस सर्वेक्षण ठंडापानी क्षेत्र से लेकर गहपुर-लखीमपुर तक लगभग 30 किलोमीटर के दायरे में किया गया। हाल ही में बिहाली अभयारण्य के इको टास्क फोर्स द्वारा पेड़ लगाने के प्रयास में अरुणाचल की ओर से विरोध के कारण दोनों राज्यों के बीच तनाव उत्पन्न हुआ था। उक्त घटनाक्रम के बाद, जब दोनों राज्य सीमाविवाद के समाधान के लिए बातचीत की प्रक्रिया में हैं, ऐसे समय में यह संयुक्त सर्वेक्षण सीमा निर्धारण की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।

विश्वनाथ की पत्रकार त्रिबेणी बोरा को महिला पत्रकार पुरस्कार 2025 से सम्मानित

विश्वनाथ (विभास)। असम के संवाद क्षेत्र सहित पूरे भारत में महिला पत्रकार की भूमिका की प्रशंसा होती आ रही है। इसी बीच महिला पत्रकार संघ की ओर से अपने 22वां प्रतिष्ठा दिवस का आयोजन गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित किया गया। जिसमें विश्वनाथ की पत्रकार व आपकू की जिला सचिव त्रिबेणी बोरा को महिला पत्रकार पुरस्कार 2025 प्रदान किया गया है। सन 2008 से पत्रकारिता से जुड़ी हुई त्रिवेणी बोरा दैनिक अखबार जनमत, दैनिक बतौरी, दैनिक अग्रदूत, गन संवाद, सहित अखबार में संवादाता रह चुकी है। वर्तमान समय में दैनिक दुर्नीति दर्पण की स्टाप रिपोर्ट, एनबी न्यूज की संवादाता है। दूसरी ओर उनका एक काव्य संकलन हृदय तुमार नामोर फलक भी प्रकाशन किया था। उनकी इस उपलब्धि पर सभी विश्वनाथवासियों ने बधाई शुभकामनाएं दी है।

नवजात बच्ची को दंपति ने 2 लाख में बेचा, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की भागागढ़ पुलिस ने नवजात बच्ची को बेचने के कार्य में शामिल एक युवती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। भागांगढ़ पुलिस सूत्रों से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में जन्मी एक बच्ची को 30 मार्च को दो लाख रुपए के ऐवज में बच्ची के माता-पिता द्वारा बेचा गया था। पहले से दो बच्ची के माता-पिता ने अपनी तीसरी बेटी को नलबाड़ी के कुलेश तालुकदार और भास्कर तालुकदार को दो लाख रुपए में बेचा था। नवजात बच्ची की खरीद-बिक्री में मध्यस्थता करने वाली एक युवती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस इस मामले में बच्ची को खरीदने वाले दंपति कुलेश तालुकदार और भास्कर तालुकदार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस इस संबंध में दर्ज शिकायत के आधार पर मामले में शामिल अन्य आरोपियों, खासकर नर्स की गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रही है।

पूसीरे ने 13091 माल रैक किया अनलोड

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने हाल के वर्षों में माल अनलोडिंग में निरंतर वृद्धि की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, पूसीरे ने सफलतापूर्वक 13,091 माल रैक अनलोड किए, जिसमें केवल मार्च 2025 के दौरान 1288 रैक अनलोड किया गया था। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि मार्च के दौरान असम में मालगाड़ियों के कुल 688 रैक अनलोड किए गए, जिनमें से 313 आवश्यक सामग्रियों से भरे थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 131 रैक, नगालैंड में 24 रैक, अरुणाचल प्रदेश में 08 रैक, मणिपुर और मिजोरम में 06-06 रैक अनलोड किए गए। इसके अलावा, उक्त महीने में ही पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में 234 माल रैक और बिहार में 191 माल रैक अनलोड किए गए। आवश्यक और अन्य वस्तुओं को नियमित रूप से न केवल आम लोगों की आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बल्कि इस क्षेत्र की स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने और वृद्धि के लिए भी परिवहन किया जा रहा है। उन्नत टर्मिनल हैंडलिंग सुविधाओं और अधिक गुड्स शेडों की शुरुआत ने ग्राहकों और अन्य स्टेकधारकों के लिए एक सीमित समय सीमा के भीतर आवक रैक को अनलोड और क्लीयर करने के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने का काम किया है। सभी स्तरों पर निरंतर निगरानी के परिणामस्वरूप टर्नअराउंड समय में कमी आई और इसके अनलोडिंग दक्षता में वृद्धि हुई है।

चिरांग : एनएसबी ने आयोजित किया पशु चिकित्सा शिविर

बिजनी। 54वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 04 अप्रैल 2025 को सीमा चौकी मानस-बांसबारी के कार्यक्षेत्र में नारायणगुड़ी गांव में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस पशु चिकित्सा शिविर में क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल बंगाईगांव के डॉक्टर एलडी सिंह कमांडेंट (पशु चिकित्सक) द्वारा कुल 54 पशु-पक्षियों की चिकित्सा जांच-उपचार किया गया व पशु पक्षियों में होने वाले बिमारी एवं उससे बचाव के बारे में जानकारी दी गई। पशु चिकित्सा शिविर के दौरान 21 ग्रामीणों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इसके अलावा पशु पक्षियों की बिमारियों से किसी प्रकार की हानी ना हो इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सावधानियों से भी अवगत कराया गया। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से ग्रामीणों में काफी प्रसन्नता देखने को मिली और 54वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल बिजनी द्वारा आयोजित होने वाले इस तरह के जन कल्याणकारी कार्यों की स्थानीय ग्रामीणों ने भूरी भूरी प्रशंसा की।

रंगिया के खैराबाड़ी में जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन

रंगिया (निसं)। रंगिया के खैराबाड़ी में जगन्नाथ मंदिर का विधिवत उद्घाटन किया गया। रंगिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक भवेश कलिता ने निजी तौर पर खर्च करके मंदिर को औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि विधायक ने राजनीतिक या सरकारी सहायता के बिना पूरी तरह से अपने खर्च पर मंदिर का निर्माण करने का बिड़ा उठाया था। यह बात स्थानीय लोगों के बीच एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में माना जा रहा है। मंदिर के उद्घाटन के साथ ही खैराबाड़ी के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेने के साथ विधायक भवेश कलिता के इस कदम का स्वागत किया हैं। उद्घाटन समारोह में कीर्तन, नामप्रसंग और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गये। स्थानीय समाज के विभिन्न स्तरों के लोग मंदिर जाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और भविष्य में मंदिर को खैराबाड़ी के धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित होने की उम्मीद जताते हैं। इस अवसर पर विधायक भवेश कलिता ने कहा कि उक्त मंदिर को बनाने की प्रेरणा उनमे कई दिनों से थी। जनता के प्यार और आशीर्वाद ही स्वयं की शक्ति बताया। खैराबाड़ी क्षेत्र में इस तरह के धार्मिक संस्थान के निर्माण से स्थानीय लोगों के बीच धार्मिक मूल्य, भाईचारे और सामाजिक एकता और मजबूत होने की आशा व्यक्त की गई है।

चिरांग जिला प्रशासन ने बाढ़ की तैयारी योजना की समीक्षा की

विकसित भारत समाचार

काजलगांव। मानसून के मौसम से पहले एक सक्रिय कदम उठाते हुए, चिरांग जिला प्रशासन ने शनिवार को बाढ़ कार्य योजना के लिए विषयगत समूह बैठक आयोजित की। बैठक जिला आयुक्त के सम्मेलन कक्ष में हुई और इसकी अध्यक्षता अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरूप चौधरी ने की। सत्र की अध्यक्षता करते हुए, एडीसी चौधरी ने संभावित बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए विभागों के बीच प्रारंभिक तैयारी और निर्बाध समन्वय के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। डीडीएमए के जिला परियोजना अधिकारी (डीपीओ), धनजीत दास ने बाढ़ कार्य योजना का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। योजना एक समन्वित, बहु-विभागीय रणनीति तैयार करती है, जिसमें विषयगत फोकस क्षेत्रों के

आधार पर जिम्मेदारियां वितरित की जाती हैं। इनमें राहत शिविर प्रबंधन; स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाओं की निरंतरता; महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की तैयारी; और प्रभावी रिपोर्टिंग और क्षति आकलन तंत्र शामिल हैं। विशेष रूप से डीआरआईएमएस पोर्टल के उपयोग पर जोर दिया गया, जो नुकसान की सटीक और समय पर रिपोर्टिंग और प्रतिक्रिया गतिविधियों की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, अधिकारियों ने घोषणा की कि मानसून की शुरुआत से पहले सभी प्रशासनिक हलकों में सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने और गति बनाए रखने के लिए नियमित अनुवर्ती और समीक्षा बैठकें निर्धारित की जाएंगी। बैठक में बिजनी सर्किल अधिकारी, फील्ड ऑफिसर और जिले भर के विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया, सभी ने समन्वित और लचीली बाढ़ प्रतिक्रिया के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

संपादकीय

टैरिफ छीन लेगा नौकरियां

अमरीका के 'जैसे को तैसा टैरिफ' से भारत की जीडीपी को 0.7 फीसदी का नुकसान हो सकता है। बेशक यह बहुत कम आंकड़ा लगता है, लेकिन नुकसान 2.5-3 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। विशेषज्ञों के ही आकलन हैं कि यदि जीडीपी कम हुई, तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा, लिहाजा फैक्टरियां या तो कर्मचारियों की छंटनी करेंगी अथवा वेतन कम करेंगी। आकलन यहां तक हैं कि 7-8 लाख नौकरियां जा सकती हैं। ऐसा ही प्रभाव तमिलनाडु की कंपनियों पर पड़ सकता है, जहां कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करती हैं। भारत के गुजरात से प्रमुख तौर पर 78,000 करोड़ रुपए के रत्न-आभूषण, पत्थरों का कारोबार अमरीका के साथ किया जाता है। टैरिफ बढ़ने से वे ज्यादा महंगे उत्पाद हो जाएंगे। एक उदाहरण एप्पल आईफोन का है, जिसकी फैक्टरियां भारत और चीन में हैं। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। पहले से ही चीन पर टैरिफ काफी ज्यादा है। अब नए टैरिफ के बाद भारत-चीन में निर्मित एप्पल फोन अमरीकी बाजार में महंगा हो जाएगा, तो जाहिर है कि महंगा फोन कोई क्यों खरीदेगा? नए हालात में भारत की मुद्रा 'रुपया' और अधिक कमजोर होगा तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम होगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय भी स्वीकार कर रहा है कि यह टैरिफ हमारे लिए 'झटका' नहीं, बल्कि 'मिक्सबैग' है। यानी कुछ तो नुकसान के आसार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 60 देशों पर 'जैसे को तैसा टैरिफ' थोपा है, नतीजतन दुनिया के देशों में हड़कंप मचा है, अर्थव्यवस्थाएं हिल गई हैं, गरीबी और महंगाई के बढ़ने के आसार हैं, ज्यादातर देश इसे 'टैरिफ युद्ध' मान रहे हैं और इसे ट्रंप का 'व्यापारिक पागलपन' करार दे रहे हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि दुनिया में 122 लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान हो सकता है। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच अनेक वस्तुओं और उपकरणों आदि का आयात-निर्यात होता है। प्रधानमंत्री मोदी की फरवरी अमरीकी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार को 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़ रुपए) तक बढ़ाने के समझौते की घोषणा की थी। व्यापार-सौदा इसी के तहत किया जाना है। इसका प्रथम चरण सितंबर-अक्तूबर तक पूरा हो सकता है। उसमें टैरिफ का समाधान मिल सकता है। अच्छी बात यह है कि भारत के फार्मा, तांबा, तेल, सेमीकंडक्टर, गैस, कोयला, एलएनजी, इंसुलिन, विटामिन्स, कीमती धातुएं (सोना, चांदी, प्लेटिनम), प्रिंटेड सामग्री और जिंक आदि 50 प्रमुख उत्पादों को 'टैरिफ-मुक्त' रखा गया है। करीब 6 अरब डॉलर के निर्यात वाली मशीनरी, 4 अरब डॉलर के निर्यात वाले मिनरल फ्यूल, 3 अरब डॉलर निर्यात वाले ऑर्गेनिक केमिकल्स और 1 अरब डॉलर के निर्यात वाले इमारती पत्थर आदि पर टैरिफ के कम असर पड़ने की संभावनाएं हैं, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट फोन, रत्न-आभूषण और कृषि सरीखे क्षेत्रों पर व्यापक असर पड़ेगा। हमारे किसान 50,000 करोड़ रुपए के चावल, फल-सब्जियां, अनाज आदि अमरीका को भेजते हैं। चावल पर फिलहाल 2.7 फीसदी टैरिफ है, जो कुल मिला कर 9-11 फीसदी के बीच बनता है। टैरिफ बढ़ने के बावजूद भारत वियतनाम, थाईलैंड, चीन की तुलना में बेहतर रह सकता है। चिंता की बात यह है कि भारत में खेती-उत्पादन अमरीका से 4 गुना कम होता है। भारत फार्मा, दवाओं आदि के मामले में व्यापक व्यापार कर सकता है। भारत इस क्षेत्र में अमरीका के साथ करीब 76,000 करोड़ रुपए का कारोबार करता है और यह 'जैसे को तैसा टैरिफ' से मुक्त रखा गया है। बहरहाल इस स्थिति में भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को ज्यादा मजबूत कर सकता है। भारत को 'इंतजार करो' और फिर 'निर्णय लो' की नीति पर काम करना पड़ेगा। नौकरियां किसी भी सूरत में जानी नहीं चाहिए।

> भारत की जीडीपी को 0.7 फीसदी का नुकसान हो सकता है। बेशक यह बहुत कम आंकड़ा लगता है, लेकिन नुकसान 2.5-3 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। विशेषज्ञों के ही आकलन हैं कि यदि जीडीपी कम हुई, तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा, लिहाजा फैक्टरियां या तो कर्मचारियों की छंटनी करेंगी अथवा वेतन कम करेंगी। आकलन यहां तक हैं कि 7-8 लाख नौकरियां जा सकती हैं। ऐसा ही प्रभाव तमिलनाडु की कंपनियों पर पड़ सकता है, जहां कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करती हैं। भारत के गुजरात से प्रमुख तौर पर 78,000 करोड़ रुपए के रत्न-आभूषण, पत्थरों का कारोबार अमरीका के साथ किया जाता है। टैरिफ बढ़ने से वे ज्यादा महंगे उत्पाद हो जाएंगे। एक उदाहरण एप्पल आईफोन का है, जिसकी फैक्टरियां भारत और चीन में हैं। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। पहले से ही चीन पर टैरिफ काफी ज्यादा है। अब नए टैरिफ के बाद भारत-चीन में निर्मित एप्पल फोन अमरीकी बाजार में महंगा हो जाएगा, तो जाहिर है कि महंगा फोन कोई क्यों खरीदेगा? नए हालात में भारत की मुद्रा 'रुपया' और अधिक कमजोर होगा तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम होगा।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

ललित गर्ग

> पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जताई गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेतावने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जताई गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन

के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते? पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं। अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं।

दृष्टि कोण

सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कत्ल

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे अध्यात्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिंदगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर यह सिलसिला कहां जाकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है? पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारहवें मिनट में एक महिला या लड़की का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है। वल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा यह भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कत्ल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कत्ल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कत्ल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कत्ल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं, उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी न किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है। आंकड़ों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग-अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं। लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी।

कुछ अलग

साहित्य समागम में नेताजी...

सम्मेलन साहित्य पर था और तैयारियां जोरों पर थीं। देशभर के ख्याति प्राप्त साहित्यकारों को बुलाया गया था। लेकिन आयोजकों की सबसे बड़ी उपलब्धि यह थी कि उन्होंने उन नेताजी को मुख्य अतिथि बना लिया था जो खनन, भू, वन और शराब माफिया के बेताज बादशाह थे, लेकिन अब साहित्य की गंगा में डुबकी लगाने आ रहे थे। सम्मेलन शुरू हुआ। मंच पर नेताजी विराजमान थे। अलग-अलग खेमों के साहित्यकार अपनी कुर्सियों पर जमकर बैठे थे और दर्शकगण हिंदी साहित्य की दुर्दशा पर मौन चिंतन कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत होते ही एक वरिष्ठ साहित्यकार ने नेताजी की महानता पर प्रकाश डालते हुए कहा- 'नेताजी सिर्फ राजनीति में ही नहीं, बल्कि साहित्य में भी क्रांति ला सकते हैं।' यह सुनते ही नेताजी मुस्कुराए। मुस्कुराहट में ऐसा भाव था मानो सोच रहे हों- 'क्रांति तो मैं कोयला, जमीन और जंगलों में ला ही चुका हूं, साहित्य में भी कुछ क्रांतिकारी किया जाए।' फिर नेताजी का संबोधन शुरू हुआ। उन्होंने कहा- 'भाइयो और बहनो! साहित्य समाज का दर्पण होता है। और दर्पण में वही दिखता है जो सामने होता है। अब जब मैं देखूं तो मेरे सामने खनन के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिखते हैं। सड़क के ठेके दिखते हैं और कुछ विरोधियों की जमानतें जब्त कराने का पुण्य कार्य दिखता है। साहित्य के बारे में ज्यादा तो नहीं जानता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि जो भी काम करो, दमदारी से करो!' सभा में ठहाके लगने चाहिए थे, लेकिन माहौल गंभीर हो गया। कुछ साहित्यकारों को एहसास हुआ कि वे साहित्य नहीं, ठेकेदारी सम्मेलन में बैठे हैं। लेकिन आयोजकों के चेहरे खिले थे, आखिर नेताजी ने लाखों की अनुदान राशि देने की घोषणा जो कर दी थी। कार्यक्रम के अंत में नेताजी को सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल ओढ़ाई गई। स्मृति चिन्ह भेंट किया गया और एक साहित्यकार ने अपने काव्य संकलन की प्रति उन्हें भेंट की। नेताजी ने पुस्तक उलट-पलट कर देखी और मुस्कुराते हुए बोले- 'बहुत सुंदर! इसे मैं अपने ऑफिस में रखूंगा।' हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि नेताजी पुस्तक को पढ़ेंगे या इसका उपयोग टेबल पर रखे गिलास के नीचे करने में करेंगे। लेकिन सम्मेलन सफल रहा, आयोजकों को वीआईपी ट्रीटमेंट मिला। कुछ साहित्यकारों को सरकारी फंडिंग का आश्वासन मिला और साहित्य ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि वह राजनीति से अछूता नहीं है। सम्मेलन के समापन के बाद, जब साहित्यकार अपने-अपने गुटों में विभाजित होकर लौट रहे थे, कुछ लोगों ने नेताजी की तारीफों के पुल बांधने शुरू कर दिए। 'देखिए, कम से कम नेताजी ने साहित्य को समझने की कोशिश तो की!' दूसरी ओर, कुछ वरिष्ठ साहित्यकार माथा पकड़कर बैठे थे। 'अब साहित्य का स्तर इतना गिर गया है कि उसमें माफिया राज चलाने वालों को भी सम्मानित किया जा रहा है। आगे देखिए, कहीं हमें किसी खनन घोटाले की रिपोर्टिंग करने के लिए पत्रकारों की तरह खड़ा न होना पड़े!' इस पूरे आयोजन के बाद आयोजक काफी संतुष्ट थे। सरकारी गेस्ट हाउस की सुविधाएं मिल गई थीं, सरकारी फंडिंग का आश्वासन भी। कुछ साहित्यकारों के खाते में भी अनुदान राशि आनी थी। और नेताजी भी संतुष्ट थे, आखिर उन्होंने एक और क्षेत्र में अपनी 'उपस्थिति' दर्ज करा दी थी। इस बीच, अगले साल के साहित्य सम्मेलन की चर्चा शुरू हो चुकी थी। एक युवा आयोजक ने सुझाव दिया- 'इस बार साहित्य सम्मेलन में अंडरवल्ड के किसी डॉन को बुलाया जाए।'

देश दुनीया से

महान क्रांतिकारी थे पंडित इंद्रपाल

पंडित इंद्रपाल का जन्म हिमाचल के नादौन में एक ब्राह्मण पंडित हरिराम के घर 5 अप्रैल 1905 को हुआ। उस साल उनके जन्म से एक दिन पहले 4 अप्रैल 1905 को कांगड़ा जिले में और शहर नादौन के आसपास के गांवों में भूचाल आने से भारी क्षति हुई और पंडित जी के परिवार को भी काफी धक्का पहुंचा। पिता जी ज्यादा पढ़े-लिखे न होकर पंडिताई करते थे। उनके चार लड़कों में सबसे बड़े मंगत राम बाद में इंद्रपाल कहलाए। माता श्रीमती रामदेवी सुंदर, सुशील धर्म-परायण स्त्री थी। माता जी की मृत्यु के समय सबसे छोटा लड़का मंगतराम डेढ़ साल का था। उसे उसकी बहन कमला ने, जो छोटी ही उम्र में ब्याही गई थी और स्वयं भी छोटी ही थी, संभाला और उनके पिता पंडित हरिराम ने मां की जगह लेकर बच्चों का पालन-पोषण किया। गरीबी के होते हुए भी एक घर स्वर्ग कैसे हो सकता है, यह माता रामदेवी के जीवन से स्पष्ट झलकता था। उनकी मृत्यु के पश्चात बच्चे छोटी आयु में ही जीविका के लिए साधन ढूंढने के उद्देश्य से बाहर निकल गए। पंडित इन्द्रपाल से पहले उनके मां-बाप के दो बच्चे पैदा हुए थे जो बचे नहीं, इसलिए इन्हें घिरत बिरादरी के एक घर में पलने के लिए कुछ समय के लिए छोड़ दिया था। इसलिए, जन्म नाम मंगतराम हुआ, बाद में वापस घर लाकर इन्हें स्कूल में दाखिल करा दिया गया। यह पढ़ाई में अव्वल और तीक्ष्ण बुद्धि वाले थे। पढ़ाई के बाद पंडित इंद्रपाल पत्रकार बने और घूमते-घूमते लाहौर जा पहुंचे। अंत में मास्टर नंदलाल पत्रकार के शागिर्द बन गए। पत्रकारिता का काम सीखने के बाद यह अखबारों का काम करने लगे। 1925 में इन्हें सनातन धर्म सभा रावलपिंडी से उनके उर्दू साप्ताहिक 'सुदर्शन चक्र' की किताब के लिए रख लिया गया। यह रावलपिंडी पहुंच गए। यशपाल इस अखबार का उस समय मैनेजर था। वहां दोनों की पहली मुलाकात हुई। पंडित जी जो दिन भर अखबार का काम करते, शाम को सैर के लिए शहर से बाहर तपोवन की तरफ निकल जाते और रात को देर से लौटते। सर्दियों के दिनों में भी यह विस्तर की जरूरत नहीं समझते थे। ज्यादा सामान रखने के हक में नहीं थे। एक मुसाफिर की तरह रहते थे। उनका कहना था कि शरीर को ज्यादा आराम, सुख-सुविधा का अभ्यस्त नहीं बनना चाहिए। ज्यादा पैसा भी मनुष्य के लिए अवांछित है। जितनी आवश्यकता है उतना रखो बाकि किसी दूसरे की जरूरत पूरी करने के काम आए तो अच्छा है। वह क्रियात्मक तौर पर एक सोशलिस्ट थे। बाद में रावलपिंडी से वापस लाहौर आकर वह सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा के उर्दू दैनिक 'भीष्म' में नौकर हो गए। कुछ समय आराम से कट गया। लेकिन समाचार पत्र के स्टाफ का कई महीनों का वेतन न दिया गया तो पंडित जी ने संवाददाताओं की सभा का झंडा उठाया और पोस्टरों और जुलूसों द्वारा अखबार के प्रबंधकों के विरुद्ध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अंत में प्रबंधकों ने आंशिक तौर पर कुछ दे-दिला कर पीछा छुड़ाया। मजदूर संगठन में उनकी निष्ठा मजबूत हो गई। कांगड़ा जिला का यह पहाड़ी ब्राह्मण युवक मजदूरों का नेता बन गया। बाद के समय में उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में योगदान किया। पंडित जी कांग्रेस के राष्ट्रीय आंदोलन की ओर दिनों-दिन ज्यादा आकर्षित होते चले गए। वह सरदार भगत सिंह जी की गठित नौजवान भारत सभा के जलसे और जुलूसों में भी दिलचस्पी लेने लगे। आजादी के आंदोलन में उन्होंने बड़ा योगदान दिया। बाद के समय में उन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन में भी हिस्सा लिया। दिल्ली में तुगलकाबाद किले की एक तरफ बदरपुर चौकी के पास पंडित जी ने साधु बनकर एक सुनसान प्याऊ पर अपना डेरा जमा लिया। सिर के बाल मुंडवा कर भगवे वस्त्र धारण कर लिए, मृगशाला पर बैठकर दिनभर भभूत मलते, चिमटा खटकाते, भजन-कीर्तन करते लोगों को दवा दारू देते और यात्रियों को पानी पिलाते। रात को जमीन के नीचे बिजली के तार दबाते थे। उनके क्रांतिकारी साथी शेष भी बदलकर आते और उन्हें चीजें-सामान आदि दे जाते। लार्ड इरविन वायसराय की गाड़ी को बम विस्फोट करके उलटने की योजना क्रांतिकारी दल ने बनाई थी। इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पंडित जी को चुना गया। देहाती लोग उनके पास आकर बैठे रहते, उनका उपदेश सुनते और दवा-दारू भी ले जाते। क्रांतिकारी के रूप में उन्होंने साथियों से मिलकर कई काम किए। बाद में उन्होंने एक और योजना बनाई। परंतु 27 अक्तूबर, 1929 को किया जाना वाला एक्शन इसलिए छोड़ देना पड़ा कि लार्ड इरविन 1 नवंबर, 1929 को एक महत्वपूर्ण घोषणा करने जा रहे थे, जिसमें भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने के बारे में भारतवासियों को कुछ नए अधिकार देंगे। क्रांतिकारियों का भ्रम दूर हुआ, खोदा पहाड़ निकला चूहा। वायसराय की ट्रेन को उड़ाने की नई योजना बनी और 23 दिसंबर, 1929 को प्रातः साढ़े सात बजे दिल्ली के निकट पुराने किले के साथ वाले जंगल में यशपाल, इंद्रपाल, भगवतीचरण वोहरा और लेखराम जाट ने ये एक्शन किया। ट्रेन तेजी से मथुरा से दिल्ली की ओर जा रही थी जिसमें वायसराय अपनी पत्नी तथा स्टाफ के साथ सफर कर रहे थे। धुंध और कोहरे के कारण क्रांतिकारियों का एक्शन पूर्ण सफल न हो सका। बम के धमाके से 2 फुट तीन इंच रेलवे लाइन का टुकड़ा टूट गया। डाइनिंग कार के शीशे टूटे। दीपचंद बैहरा जख्मी हुआ, परंतु वायसराय साफ बच गया। नई दिल्ली पहुंचने पर ही उसे इस घटना का पता चला। मुकद्दमा चला और सब जेल गए परंतु हार न मानी। सजा समाप्त होने पर फिर आंदोलन में कूदे रहे। उन्होंने दो पुस्तकें 'मजले आजादी' व 'वो तूफानी दिन' लिखीं। उन्होंने दहेज प्रथा, अंधविश्वास और दूसरी सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए एक पुस्तक छापी और अपने आदर्श जीवन से जनता जनार्दन को देश सेवा की प्रेरणा दी। 1948 में जब महात्मा गांधी जी को गोली मार देने का समाचार सुना, तो बेहोश हो गए। पैरालाइज हुआ, इरविन अस्पताल दिल्ली में एक महीना पीड़ित रहने के बाद 13 अप्रैल, 1948 को स्वर्ग सिधार गए। धन्य है वह हिमाचल प्रदेश की पावन भूमि जिसकी गोद में वह पले व खेले, और धन्य है भारत माता की पुनीत गोद जिसमें वह सदा के लिए सो गए। जितनी यातनाएं उन्होंने जेल में सही, केस को तोड़ने के लिए, जितना यत्न उन्होंने किया, उसको देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि अपने दूसरे साथियों के मुकाबले में उन्हें अधिक कड़ी परीक्षाओं और कठिनाइयों में से गुजरना पड़ा। इस देशभक्त परिवार की लोगों के दिलों में स्मृति आज भी बनी हुई है। जयंती पर उन्हें नमन।

आप का नजरीया

दिल्ली दूर किसने की

राजनीतिक मंतव्य की तलाशी में प्रदेश अपने भविष्य से मुखातिब और फर्ज की दहलीज पर कहानी अब चरित्र खोज रही। हिमाचल के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य ने मंडी की सांसद कंगणा रनौत से उसकी गैरहाजिरी का कारण पूछ लिया है। उन घोषणाओं व वादों का पता पूछ लिया है, जो चुनाव को परिभाषित कर रहे थे। यह एक राजनीतिक बयान हो सकता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों के कर्म पर व्याख्या तो हो ही जाती है। संसद में खड़ी प्रश्नावली में हिमाचल के कितने सवाल रसीद हुए यह हिसाब सांसदों की पहचान और जिम्मेदारी का सबूत है। बेशक इस बार डा. राजीव भारद्वाज, इंदु गोस्वामी व डा. सिकंदर कुमार द्वारा पूछे गए प्रश्नों में उभरते संकल्पों के सारथी बने अनुराग ठाकुर की छाप दिखाई देती है। ऐसे में मंडी की सांसद के परिचय में उनका ग्लैमर तो चलता है, मगर संसदीय क्षेत्र में भाजपा से उम्मीदें इंतजार कर रही हैं। उम्मीदें राज्य से हर संसदीय क्षेत्र तक हैं, इसलिए केंद्रीय सहायता से अगर परियोजनाएं सफर पर निकलती हैं तो जिक्र दिल्ली से भी आता है। हिमाचल के आर्थिक विकास के पन्नों पर यह खींचतान सही है कि हमारे मुकद्दमे की पैरवी कहां कितनी हुई। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह बताते हैं कि सड़क निर्माण के लिए 267 करोड़ पर कैसे-कैसे मेहरबां हुए नितिन गडकरी, दूसरी ओर अनुराग ठाकुर ने केंद्रीय सहायता की मोमबत्तियां जलाते हुए 21 पुलों के निर्माण के 309 करोड़ का खाका रोशन किया है। यानी यहां हर इंच पर पैमाइश है, तो चल के देख तेरे कदम कितने आगे निकले। हिमाचल के बजट में केंद्र की परछाई और केंद्रीय बजट में हिमाचल की रहनुमाई किस तरह हो रही, यह अब नए दौर की सियासत है, सारे वक्त को मापना पड़ेगा। इसलिए मंडी की सरहद पर सांसद को चुनौती दी जा रही है। अब अगर सांसद महोदया इन सुरों को सुन लें, तो कई हरित पट्टियां उभर आएंगी। पूर्व भाजपा सरकार के कई वादे और इरादे मंडी संसदीय क्षेत्र की परिक्रमा कर रहे हैं, तो सवालों के दरख्त के नीचे केंद्र की छांव ढूंढी जा सकती है। बहरहाल यही तफ्तीश हर जनप्रतिनिधि से जनता की अपेक्षाएं कर रही है। देश के संघीय ढांचे में प्रादेशिक मापदंड अगर सुरक्षित करने हैं तो हिमाचल की दोपहर-हिमाचल की सांझ के बीच वैमनस्य खत्म करना होगा। बजट सत्र के दौरान केंद्र में हिमाचल की कितनी खिड़कियां खोल पाए हिमाचल के सांसद, यह हिसाब प्रदेश के बजट से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। बेशक 11 केंद्रीय योजनाओं का पैसा बैंक खाते में आएगा या प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदेश के प्रदर्शन को चार सौ करोड़ का संबल मिल जाएगा, लेकिन पर्वतीय राज्य की आत्मनिर्भरता के सवाल पर क्या कोई आश्वासन मिलेगा। केंद्र से अपने राज्य की पुकार करें या फरियाद, इसके कई उदाहरण मिल जाएंगे, मगर यहां कुशीनगर के सांसद विजय कुमार दुबे के प्रयास कम से कम कांगड़ा-चंबा के सांसद राजीव भारद्वाज को रेखांकित कर लेने चाहिए। कुशी नगर में 2021 को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था, लेकिन यहां से सीधा आपरेशन शुरू नहीं हो पाया।

मौखिक नोटिस देकर कलंकपूर्ण आदेश से सेवा समाप्त करना अनुचित और अवैधानिक : हाईकोर्ट

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता की एकलपीठ ने एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि सेवा समाप्ति जैसी गंभीर कार्रवाई करने से पूर्व प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की पालना जरूरी है। मौखिक नोटिस देकर कलंकपूर्ण आदेश से सेवा समाप्त करना अनुचित और अवैधानिक है। उन्होंने याचिका स्वीकार कर सेवा समाप्ति आदेश को रद्द करते हुए सात दिन के भीतर सेवा में वापिस लिए जाने का अहम निर्णय देते हुए यह महत्वपुर्ण व्यवस्था दी है कि दुराचार का आरोप लगाकर सेवा समाप्त करने से पूर्व प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की पालना करते हुए तथ्यपरख जांच जरूरी है। दरअसल मथुरादास माथुर अस्पताल में गत तीन वर्षों से यूटीबी आधार पर नर्सिंग ऑफिसर पद पर कार्यरत याचिकाकर्ता सरिता मुंडेल को मुख्यमंत्री सम्पर्क पोर्टल पर की गई एक झूठी शिकायत को आधार बनाकर

सेवा समाप्त कर दिए जाने पर अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी के जरिये रिट याचिका पेश कर चुनौती दी गई। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि उसकी नियुक्ति 1965 के नियमों के अंतर्गत नियमानुसार मेरिट बनाकर और समस्त आरक्षण प्रावधानों का पालन करते हुए वर्ष 2022 में की गई थी और तब से लगातार संतोषजनक सेवाएं दे रही थी। गत 23 दिसंबर 2024 को अस्पताल के स्टाफ द्वारा 22 सौ रुपए लेने, बुरा व्यवहार करने और धमकाने की शिकायत मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर की गई।। उक्त शिकायत के अनुसरण में ड्यूटी के समय उपस्थित चिकित्सक और अन्य स्टाफ के बयान लिए बिना ही और प्रार्थिया को सुनवाई का उचित पर्याप्त मौका दिए बिना ही उक्त शिकायत का जल्द निस्तारण करने के उद्देश्य से याचिकाकर्ता की सेवा समाप्त कर दी गई। याचिकाकर्ता को सेवा समाप्ति से पूर्व कोई नोटिस तक नहीं दिया गया। याचिकाकर्ता का पक्ष सुने बिना ही उसे सेवा से बर्खास्त करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। शिकायतकर्ता ने स्वयं ने लिखित में शपथपत्र और पत्र लिखकर जाहिर कर दिया था कि प्रार्थिया ने उसके साथ कोई बदतमीजी नहीं की थी और न ही उसने उससे रुपए लिए थे। उसने पारिवारिक गलतफहमी व आवेश में आकर शिकायत कर दी थीं जो शिकायत वापिस लेने के लिए उसने मुख्यमंत्री संपर्क पोर्टल पर लिख कर भी दे दिया। इसके बावजूद याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल नहीं करने पर रिट याचिका दायर की गई। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि बिना नियमानुसार जांच किए याचिकाकर्ता की सेवा समाप्त नहीं की जा सकती हैं। उसे टेलीफोनिकॉली बुलाकर दवाब में पत्र लिखवाकर माफी मंगवा लेना गुनाह स्वीकार करना नहीं कहा जा सकता है। दुराचार का आरोप लगाकर सेवा समाप्त करने से पूर्व तथ्यपरख जांच जरूरी है और कानूनन, तथ्यात्मक जांच किए बिना किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध कलंक लगाते हुए सेवा समाप्त नहीं की जा सकती हैं। ऐसे में डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य द्वारा जारी सेवा समाप्ति आदेश विधिविरुद्ध और असवैधानिक है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि याचिकाकर्ता को मौखिक नोटिस देकर और उसके लिखित में जुर्म स्वीकार कर लेने के बाद कार्मिक को नोटिस देने व सुनवाई का मौका देने की कोई आवश्यकता नहीं रही और तदनुसार पारित सेवा समाप्ति आदेश विधिसम्मत है।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने से हुआ नए भारत का जन्म : इंद्रेश कुमार

कैथल (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ बोर्ड पूरी तरह से माफिया के कंधों पर टिका हुआ था। जब से वक्फ बोर्ड बना है तब से लेकर आज तक इसके आकाओं ने झूठ और भ्रम पैदा करके देश के मुसलमानों को कुचलने का ही काम किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने से हुआ नए भारत का जन्म हुआ है। इस संशोधन विधेयक के पारित होने से कुछ लोगों को सरकार का यह निर्णय सही नहीं लग रहा है। इंद्रेश कुमार शनिवार को कैथल में भाजपा नेता अरुण सर्राफ के निवास पर मीडिया से बातचीत रहे थे। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड पर एक संशोधन पास होना था जो जेपीसी को दिया गया। इसमें लाखों लोगों को शामिल किया गया, जिसमें लाखों लोगों ने अपने सुझाव भी दिए। यह एक ऐसा विधेयक था जिस पर इतना व्यापक मंथन हुआ और उस पर लंबी बहस भी चली। इसके बाद वह विधेयक पास भी हो गया। पहली बार ऐसा देखने को मिला कि वक्फ बोर्ड में कहीं भी पारदर्शिता नहीं थी, कोई कागजात आदि भी नहीं थे। एक किस्म से वक्फ बोर्ड कुछ मजहबी और सियासी नेताओं के माफिया का अड्डा मात्र बना हुआ था। क्योंकि किसी भी आम मुसलमान को इसका लाभ नहीं

दिया गया था और न ही कोई वेलफेयर योजना बोर्ड द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी। इसलिए यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश के लिए सचमुच में नव संवत नवरात्रे नये रूप में आए हैं। ईद भी नए रूप में आई है जिसमें एक नए भारत का जन्म होगा। इसलिए नए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के बाद वक्फ बोर्ड को माफिया से मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि 2025 की ईद इस बात के लिए जानी जाएगी कि इस दिन वक्फ बोर्ड को माफिया से आजादी मिली है।

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

बांसवाड़ा (हिंस)। बासवाड़ा जिले के सल्लोपाट थाना क्षेत्र के खूंटा गलिया गांव में मामा के घर शादी समारोह में शामिल होने गए तीन मासूम बच्चों की गांव के तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में दो बहनें और एक भाई शामिल हैं, जो मवेशियों को पानी पिलाने के लिए तालाब पर गए थे। इस दुखद घटना से पूरे परिवार में मातम छा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, खूंटा गलिया गांव निवासी सुरमल के घर पर शादी का कार्यक्रम था। गुरुवार को सुरमल की बहन और जीजा भरत अपने दो बच्चों, 4 वर्षीय बेटे युवराज और 6 वर्षीय बेटी जिनल, के साथ नजदीकी गांव खूंटी नारजी से मामा के घर आए थे। गुरुवार रात सभी सुरमल के घर पर ही रुके। शुक्रवार की सुबह बहन और जीजा अपने गांव खूंटी नारजी लौट गए, जबकि युवराज और जिनल को मामा के घर खूंटा गलिया में ही छोड़ गए। युवराज और जिनल, अपनी 9 वर्षीय ममेरी बहन मीनाक्षी के साथ गांव के तालाब पर मवेशियों को पानी पिलाने गए थे। बताया जा रहा है कि तालाब पर पानी पिलाते समय अचानक युवराज का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। अपने छोटे भाई को डूबता देख बहन जिनल भी उसे बचाने के लिए तुरंत पानी में कूद गई। दोनों को संकट में देख मीनाक्षी ने भी उन्हें बचाने की कोशिश करते हुए तालाब में छलांग लगा दी।

भाजपा ने सांसद राजकुमार रोत के खिलाफ खोला मोर्चा

रोत और राहुल गांधी का पुतला दहन किया

बांसवाड़ा (हिंस)। भाजपा ने बांसवाड़ा के सांसद राजकुमार रोत और भारत आदिवासी पार्टी द्वारा वक्फ संशोधन अधिनियम बिल का समर्थन करने पर निशाना साधते हुए कहा कि जो सांसद और पार्टी आदिवासी हित और समाज की बात करते रहे हैं, उन्हें तो इस बिल के समर्थन में वोट देना चाहिए था। परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजकुमार रोत ने इस संशोधन बिल के विरोध में वोट देकर आदिवासियों की भावनाओं के विपरीत काम किया है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कनकमल कटारा के नेतृत्व में राजकुमार रोत और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। भाजपा कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कटारा ने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 से अब तक अनेक निर्णय लिए हैं, जो दशकों से जन भावनाओं के अनुरूप रहे हैं। उन्होंने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को मुस्लिम गरीब कल्याण, शिक्षा और चिकित्सा सेवा के लिए समर्पित बताया। कटारा ने कहा कि पहले कुछ मुस्लिम बाहुबलियों ने वक्फ संपत्तियों पर कब्जा कर स्वयं बड़ा लाभ उठा रहे थे। मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रावधानों के अनुसार, अब जनजाति वर्ग की जमीन वक्फ बोर्ड नहीं हथिया सकेगा। कनकमल कटारा ने राजकुमार रोत और बाप पार्टी के नेताओं पर आदिवासियों को गुमराह करने और युवाओं को बहकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये नेता युवाओं को नशे की प्रवृत्ति की ओर धकेल रहे हैं और सनातन धर्म के विरोध में हैं, साथ ही वर्ग संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। कटारा ने विश्वास जताया कि यहां के जनजाति अब इन बातों को तेजी से समझ रहे हैं।

बाल विवाह रोकने के लिए सतर्क रहें अधिकारी : नगराधीश

सिरसा (हिंस)। सिरसा के नगराधीश यश मलिक ने कहा कि आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर शादियों का ज्यादा आयोजन किया जाता है। इस दौरान बाल विवाह होने की भी आशंका बनी रहती है, इसलिए सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बाल विवाह न हो। नगराधीश यश मलिक शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य है कि लड़कियों को शिक्षा, हुनर और आत्मनिर्भर बनने का मौका दिया जाए ताकि वे अपने हक के लिए आवाज उठा सकें। जब लड़कियों को कानून की जानकारी होगी तो वे बाल विवाह के खिलाफ खड़ी हो सकेंगी।

राजधानी जयपुर में रविवार को छाएगा राम जन्मोत्सव का उल्लास

जयपुर (हिंस)। धर्म नगरी के नाम से प्रसिद्ध छोटी काशी जयपुर में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव रविवार को मनाया जाएगा। जयपुर के सभी राम व हनुमान मंदिरों में जन्मोत्सव का उल्लास छाया रहेगा और कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्य आयोजन ठिकाना प्राचीन मंदिर श्री रामचंद्र जी में मनाया जाएगा। जहां मंदिर में शहर के अनेक क्षेत्रो से पदयात्राए भी आएंगी। महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि श्रीराम का जन्मोत्सव के दौरान प्राचीन मंदिर श्रीराम चंद्र जी को नगाड़ों की थाप पर मंगला आरती होगी और फिर ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया जाएगा। जिसमें 500 किलो दूध में इत्र, गुलाब, केशर एवं केवड़ा इत्यादि मिश्रित किए जाएंगे। षष्टेश पूजन के बाद अभिषेक शुरू होगा। जिसमें घी दूध, गुलाबजल चंदन, केवड़ा, केशर, एवं मोगरा आदि सुगंधित जल से श्री ठाकुर जी महाराज को स्नान सराया जाएगा। इसके बाद रत्नों व आभूषणों से राघवेन्द्र सरकार का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद श्री राम दरबार को रत्नजड़ित जरदोजी पोशाक धारण करवाई जाएगी और हीरे मोती, पन्ना माणक, नीलम एवं सोना चांदी के विशेष रजवाड़ी आभूषण पहनाए जाएंगे। दिनभर मंदिर में जन्म के बधाई गानों की रसधार बहेगी। मंदिर प्रांगण स्थित श्री गुलाबेश्वर नाथ महादेव मंदिर में सतरंगी फूलों की विशेष झांकी सजाई जाएगी। दोपहर बाद बैंड वादन व नगाड़ों के साथ श्री रामलला की जन्म आरती होगी। इस सी दिन दोपहर बाद श्री राम लला की जन्म आरती होगी तथा सांय 7 बजे 101 हवाइयों की गर्जना के साथ महाआरती का कार्यक्रम होगा। जिसमें हजारों महिलायें एक साथ श्री ठाकुरजी की आरती करेंगी। वहीं महाआरती के लिए राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े , मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य विधायक और मंत्री एवं संत महंत एक साथ आरती करेंगे।

अब राजस्थान में होंगी 50 जिला कांग्रेस कमेटी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए जिला कांग्रेस कमेटियों के पुनर्गठन का निर्णय किया है। पीसीसी की कार्यकारिणी बैठक में पारित प्रस्ताव के तहत अब प्रदेश में कुल 50 जिला कांग्रेस कमेटियों का गठन किया जाएगा। इस प्रस्ताव को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पारित कर दिया है। राजस्थान में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार दोपहर एक्स पर इस निर्णय की जानकारी साझा की है। यह विस्तार प्रदेश में संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने की दिशा में माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि इससे जिला स्तर पर नेतृत्व को अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा और पार्टी की पकड़ ग्रामीण व शहरी इलाकों में मजबूत होगी। इस कदम को आगामी निकाय और पंचायत चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की रणनीतिक तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है। कांग्रेस ने जिला स्तर पर अपने संगठन

को सशक्त करने के लिए जिला कांग्रेस समिति अध्यक्षों की बैठक का तीसरा और अंतिम चरण शुक्रवार को नई दिल्ली के इंदिरा भवन में संपन्न किया। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल सहित वरिष्ठ नेताओं ने जिला अध्यक्षों के सुझावों पर मंथन किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, मतदाता सूची सत्यापन को बेहतर करना और कार्यप्रणाली में सुधार लाना रहा। प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने बताया कि अब प्रदेश कांग्रेस संगठन में कुल 50 जिले किए गए हैं। नए जिलों कोटपुतली बहरोड़, खैरथल तिजारा, डीग, ब्यावर, डीडवाना कुचामन, फलोदी, बालोतरा, सलूंबर, नीमकाथाना को संगठन के तौर पर जिला बनाया गया है। वहीं भीलवाड़ा में कांग्रेस संगठन के तौर पर भीलवाड़ा शहर और भीलवाड़ा ग्रामीण दो जिले बनाए गए है। इसी प्रकार जोधपुर उत्तर और जोधपुर दक्षिण को जोधपुर शहर और जोधपुर ग्रामीण किया गया है। जबकि, जयपुर ग्रामीण में जयपुर ग्रामीण पूर्व, जयपुर ग्रामीण पश्चिम दो जिले बनाए गए है। महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में आदेश जारी किए है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक में जिला कांग्रेस कमेटियों का विस्तार एवं पुनर्गठन कर कुल 50 जिला कांग्रेस कमेटी बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसका शनिवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अनुमोदन कर दिया।

गुंडों से नाता, गरीबों से किनारा- यही है विपक्ष का असली चेहरा : अरुण सिंह

मीरजापुर (हिंस)। वक्फ बोर्ड की जमीनों पर अवैध कब्जों को लेकर सियासी जंग तेज हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सपा, बसपा और कांग्रेस को असल में गरीब मुसलमानों की नहीं, बल्कि भू-माफियाओं और दबंगों की चिंता है। शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय, बरौधा कचार के सभागार में जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में अरुण सिंह ने कहा कि वक्फ की जमीनों पर भूमाफिया काबिज हैं और हमारी सरकार इन्हें मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल ही में संसद से पारित हुआ वक्फ बिल गरीब मुस्लिमों, विशेषकर महिलाओं के लिए एक वरदान साबित होगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि धारा 370 और सीएए के समय भी विपक्ष ने जनता में डर फैलाने की कोशिश की थी, लेकिन न किसी की नागरिकता गई, न ही कोई वैसी स्थिति बनी जैसी बताई गई थी। अरुण सिंह ने मीरजापुर में चल रहे विकास कार्यों की चर्चा करते हुए बताया कि विंध्य, गंगा और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स से पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी। साथ ही उन्होंने भाजपा के 45वें स्थापना दिवस (6 से 12 अप्रैल) के उपलक्ष्य में *गांव चलो - बस्ती चलो* अभियान की भी घोषणा की। इस अवसर पर नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, मझवा विधायक शुचिस्मिता मौर्य, नगर पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी और भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह समेत कई पार्टी नेता मौजूद रहे।

देश और उत्तर प्रदेश में रामराज्य स्थापित हो गया है : मौर्य

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे उत्तर प्रदेश में राम राज्य आ गया है। गुंडे और अपराधियों पर पूरी तरह से अंकुश लग गया है। इसलिए इसे वास्तविक रामराज कहा जा सकता है। श्री मौर्य यहां घंटाघर स्थित रामलीला मैदान में महर्षि कश्यप जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गुंडे और अपराधियों की पार्टी है और पीडीए परिवार डेवलपमेंट एजेंसी के रूप में कार्य करती है। उन्होंने समाजवादी पार्टी को *समाप्त पार्टी* करार देते हुए कहा कि सपा का पीडीए फर्जी है। यह एक एजेंसी है, जिसके चेयरमैन अखिलेश यादव हैं, डायरेक्टर डिंपल यादव हैं, और बाकी सब शेयरहोल्डर-गोपाल यादव, शिवपाल यादव अपराधी, माफिया और गुंडे हैं। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। आतंकवाद को देश में एंट्री देकर कांग्रेस ने महापाप किया है। देश की जनता उसको बख्शेगी नहीं। अपने संबोधन में श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है और कोई शक नहीं के आने वाले समय में अपना भारत विश्व गुरु होगा। उन्होंने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पूरा देश तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में राम राज्य स्थापित हो गया है। श्री मौर्य ने कहा कि पहले समाजवादी पार्टी कार्य के कार्यकाल में गुंडे बदमाशों का राज चलता था और सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त थी और अपराधियों को संरक्षण देती थी। लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद किसी गुंडे की औकात नहीं कि वह अपराध कर सके। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की जनता पूरी तरह से सुकून में है। अपराधियों से उन्हें छुटकारा मिल चुका है। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उनके जीवन का मूल महर्षि कश्यप के बताए मूल सिद्धांतों पर चलकर समाज सेवा करना है।

ब्याज सहायता योजना की गाइडलाइन जारी

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार की 2024-25 की बजट घोषणा की क्रियान्विति में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों के आर्थिक उन्नयन के लिए स्वरोजगार, व्यावसायिक गतिविधियों एवं शिक्षा के लिए रियायती ब्याज दर से बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने के लिए अनुजा निगम ने आर्थिक कमजोर वर्ग ब्याज सहायता योजना की गाइडलाइन और संचालन प्रक्रिया जारी की है। राजस्थान के मूल निवासी, आर्थिक कमजोर वर्ग के 18 से 60 वर्ष तक के व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपए से अधिक न हो, योजना में पात्र हैं। इच्छुक आवेदक विस्तृत जानकारी के लिए स्थानीय पंचायत समिति, नगर पालिका, नगर निगम कार्यालय में संपर्क कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

रामनवमी : मर्यादा, संस्कृति और विज्ञान का उत्सव : प्रो. बिहारी लाल शर्मा

वाराणसी (हिंस)। चैत्र शुक्ल नवमी, भारतीय पंचांग के अनुसार, सनातन धर्म में अत्यंत पावन तिथि है यह वह दिन है जब त्रेतायुग में अयोध्या में राजा दशरथ के घर भगवान राम का जन्म हुआ। यह तिथि रामनवमी के रूप में भारतवर्ष ही नहीं, अपितु विश्व के कई भागों में श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाई जाती है। परंतु रामनवमी मात्र एक धार्मिक पर्व नहीं है यह भारतीय जीवन-दर्शन का बहुआयामी उत्सव है, जिसमें धर्म, संस्कृति, समाज और विज्ञान का समन्वय दिखाई देता है। यह उद्गार संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के है। कुलपति प्रो. शर्मा ने रामनवमी महापर्व के पूर्व संध्या पर पर्व के धार्मिक महत्व, सांस्कृतिक पक्ष, सामाजिक पक्ष और वैज्ञानिक पक्ष की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राम का जीवन

केवल पूजा का विषय नहीं, अनुकरणीय जीवनशैली है, जो *धर्मो रक्षति रक्षित:* के सिद्धांत को प्रत्यक्ष रूप से चरितार्थ करता है। वाल्मीकि रामायण, तुलसीकृत रामचरितमानस और अन्य रामकथाओं में उनका जीवन मर्यादा, संयम, धर्म और आदर्श का प्रतीक बताया गया है। वे मर्यादा पुरुषोत्तम हैं- जिन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में आदर्श प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. शर्मा ने बताया कि रामकथा भारत की सांस्कृतिक आत्मा है। रामनवमी के अवसर पर देशभर में होने वाली रामलीला, शोभायात्राएं, भजन-कीर्तन, तथा विभिन्न रामकथाएं इस पर्व को एक सांस्कृतिक पर्व बना देती हैं। लोकगीतों, भजनों, कहावतों, लोकनाटकों और ग्रामीण उत्सवों में राम की उपस्थिति भारत की गहरी सांस्कृतिक जड़ों की साक्षी है। प्रो. शर्मा ने बताया कि इंडोनेशिया, थाईलैंड, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका जैसे देशों में रामकथा का सांस्कृतिक रूप विद्यमान है, जो भारत की नरसंस्कृति के वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। राम का जीवन एक आदर्श सामाजिक व्यवस्था की रचना का प्रतीक है -जिसे *रामराज्य* के रूप में जाना जाता है। रामनवमी समाज में नैतिकता, सदाचार, स्त्री-सम्मान, समरसता और सहिष्णुता जैसे मूल्यों के पुनः स्मरण का अवसर देती है। भगवान राम ने शबरी को अपनाकर वर्ग विभाजन को नकारा, निषादराज गुह को मित्र बनाकर जातीय समरसता का आदर्श प्रस्तुत किया, और सीता की अग्नि परीक्षा के माध्यम से राजधर्म एवं लोकचिंता के द्वंद्व को उजागर किया। आज जब समाज नैतिक विचलन, सांस्कृतिक विस्मरण और सामाजिक विघटन से जूझ रहा है, तब रामनवमी का पर्व हमें श्रीराम के आदर्शों, मर्यादाओं और विचारधारा को पुनः स्मरण करने और जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। राम का जीवन किसी कालखंड का नहीं, बल्कि सर्वकालिक और सार्वभौमिक चेतना का प्रतीक है।

2101 कुमारी कन्याओं ने निकाली कलश शोभायात्रा

कटिहार (हिंस)। नगर निगम क्षेत्र के हवाई अड्डा वार्ड नंबर 41 स्थित राम जानकी मंदिर से शनिवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा में 2101 कुमारी कन्याओं और माताओं ने माथे पर कलश लेकर कोशी घाट से जल भरते हुए कोसी बांध, साई मंदिर, हवाई अड्डा चौक, शरीफगंज, नया टोला होते हुए यात्रा का समापन किया। इस अवसर पर भारतीय थल सेना के धर्मगुरु और राष्ट्रीय स्तर के परम विद्वान आचार्य पंडित बृजेश शर्मा एवं भागवद पिपासु महाराज मुख्य रूप से शामिल हुए। यात्रा के साथ राम जानकी मंदिर के प्रांगण में 0 5 अप्रैल से 11 अप्रैल तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा और 10 एवं 11 अप्रैल को श्री श्री 108 विष्णु महायज्ञ हरिनाम कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। राम जानकी मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राम

सिंह ने बताया कि बीते 10 वर्षों से राम जानकी मंदिर के प्रांगण में रामनवमी के अवसर पर कलश यात्रा के साथ-साथ सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा और अष्टयाम का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर कलश यात्रा में राम जानकी मंदिर कमेटी के सचिव सौरभ कुमार मालाकार, कार्यक्रम प्रभारी धनंजय तिवारी, व्यवस्थापक कुंदन यादव, कोषाध्यक्ष मिथिलेश चौधरी, उपसचिव जीवन राय, सुभाष कुमार पासवान, चंदन चौधरी, हरदेव पोद्दार, हम इकबाल शाह, चंदन यादव, अशोक सिंह, राजीव कुमार रंजन, नारद यादव, राजेश यादव, परमेश्वर यादव, हरीभजन यादव, शंभू यादव सहित सैकड़ों की संख्या में मंदिर कमेटी के सदस्य और श्रद्धालु गण कलश यात्रा में शामिल हुए।

सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल के भाव में करेगी कटौती,पेट्रोल 95 और डीजल 88 रुपए लीटर

नई दिल्ली

दैनिक उपभोग से लेकर जरूरी चीजों के भाव में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। महंगाई का सीधा कनेक्शन पेट्रोल-डीजल के कीमतों से होता है।

क्योंकि पूरे देश में सामानों का परिवहन डीजल गाड़ियों से होता है। वहीं आम जनता पेट्रोल वाहनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल के दाम में राहत दे सकती है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार शनिवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत की 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए है। इसके अलावा मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए है। वहीं कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए है। आखिर में चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है। इससे पहले 14 मार्च को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल के दाम 2 रुपए प्रति लीटर कम हुए थे। जबकि, उससे पहले 22 मई 2022 में सरकार ने एक्साइज ड्यूटी कम की थी, जिसके बाद पेट्रोल 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल 16 रुपये प्रति लीटर सस्ता हुआ था। वहीं पेट्रोलियम मंत्री ने हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर ग्लोबल लेबल पर कच्चे तेल की कीमत अभी की तरह रही तो देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी देखने को मिल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा स्टील को 25,000 करोड़ की कर माफी पर नोटिस, कंपनी बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया

मुंबई। टाटा स्टील ने कहा कि उसे वित्त वर्ष 2018-19 के लिए कर-योग्य आय का पुनर्मूल्यांकन कर उसमें 25,000 करोड़ रुपये बढ़ाने का आदेश मिला है। कंपनी ने इस आदेश के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। टाटा स्टील ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मूल्यांकन अधिकारी, आयकर उपायुक्त कार्यालय, सर्किल 2(3)(1), मुंबई की तरफ से 13 मार्च को जारी कारण बताओ नोटिस के बाद 31 मार्च को यह मूल्यांकन आदेश आया। कंपनी को 13 मार्च को भेजे गए नोटिस में वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कर योग्य आय के पुनर्मूल्यांकन के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2018-19 में 25,185.51 करोड़ रुपये की छूट से संबंधित अतिरिक्त दस्तावेज मांगे गए थे। इस बीच 24 मार्च को कंपनी ने बंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, जिसमें पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के संचालन में तकनीकी खामियों को चुनौती दी गई है। इस मुद्दे को स्पष्ट करते हुए कंपनी ने कहा कि उसने मई, 2018 में दिवाला कार्यवाही के माध्यम से पूर्ववर्ती भूषण स्टील लिमिटेड (अब टाटा स्टील बीएसएल लिमिटेड) का अधिग्रहण किया था।

अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से भारतीय झींगा व्यापार में गिरावट, 350 से गिरकर 70 रुपये किलो हुआ दाम, किसान परेशान

मुंबई। अमेरिकी शुल्क के असर से भारतीय झींगा व्यापार में गिरावट देखी जा रही है। व्यापारियों को डर सता रहा है कि अमेरिकी ग्राहक लंबी अवधि वाले अनुबंधों से पीछे हट सकते हैं, जिससे एक अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। प्रत्येक 50 काउंट झींगा की कीमत लगभग 70 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले 50 काउंट झींगा लगभग 350 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा था। कारोबारियों का कहना है कि उत्पादन स्थल पर कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण यह है कि झींगा प्रसंस्करण करने वालों ने अपनी खरीद योजनाओं को रोक दिया है। इससे उत्पादकों पर भारी प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि भारतीय झींगा गर्मियों में उत्पादित किए जाते हैं, जो पहले ही शुरू हो चुकी है। भारत के पशुधन क्षेत्र के प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन के अध्यक्ष ने कहा कि किसान पहले से ही दहशत में हैं। अगर आप 26 प्रतिशत शुल्क मानते हैं और अगर यह पूरा 26 प्रतिशत भाग किसानों पर डाल दिया जाता है, तो निश्चित रूप से यह बहुत बड़ा नुकसान होगा।

टाटा कैपिटल अब आठवीं प्रमुख भारतीय कंपनी बनने की ओर अग्रसर, कंपनी का जल्द आएगा आईपीओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा कैपिटल एक वित्तीय सेवा कंपनी ने अपने आईपीओ की शुरुआती प्रक्रिया आरंभ कर दी है। गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट के माध्यम से सेबी के पास दस्तावेज दाखिल करने के बाद टाटा कैपिटल अब आठवीं प्रमुख भारतीय कंपनी बनने की ओर अग्रसर है। इस आईपीओ में टाटा संस और निवेशक आईएफसी अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे। ड्राफ्ट पेपर गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट के माध्यम से बाजार नियामक के पास दाखिल किए गए हैं और कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ लॉन्च करने से पहले 1,504 करोड़ रुपये जुटाने के लिए फरवरी में राइट्स इश्यू को भी मंजूरी दी थी। इस आईपीओ में 230 मिलियन शेयरों तक का नया इश्यू होगा और इसमें इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल होगी। टाटा कैपिटल ने मेगा लिस्टिंग के लिए 10 निवेश बैंकों को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। क्रिसिल रेटिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वित्त वर्षों में टाटा संस ने टाटा कैपिटल में भारी निवेश किया है और यह कंपनी का अगला कदम एक महत्वपूर्ण मिलान साबित हो सकता है। यह आईपीओ अपेक्षित राजस्व संभावनाओं के बारे में जानकारी देगी और कंपनी को नए उत्पादों और सेवाओं के विकास में मदद करने में सहायक साबित हो सकती है। यह आईपीओ बाजार में एक महत्वपूर्ण खाता खोल सकता है और निवेशकों को अच्छे रिटर्न की उम्मीद है। टाटा कैपिटल की यह पहल वित्तीय बाजार में एक नयी ऊर्जा का संचार कर सकती है और कंपनी की उच्चतम संभावनाएं सामने ला सकती है।

स्टैंड-अप इंडिया के तहत स्वीकृत ऋण बढ़कर हुआ 61 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली

केंद्र सरकार की स्टैंड-अप इंडिया योजना ने हाशिए पर पड़े उद्यमियों को सशक्त बनाने के 7 साल पूरे कर लिए हैं। इसके तहत 61,000 करोड़ रुपये से अधिक के लोन स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना की शुरुआत 5 अप्रैल, 2016 को हुई थी।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि सरकार की स्टैंड-अप इंडिया योजना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित करते हुए अपने शुभारंभ के बाद से सात वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस योजना के तहत स्वीकृत ऋण अक्टूबर 2018 के 14,431.14 करोड़ रुपये से चार गुना से अधिक बढ़कर 17 मार्च, 2025 तक 61,020.41 करोड़ रुपये हो गए हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले वित्त मंत्रालय के द्वारा संचालित इस पहल का उद्देश्य अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना था। इसका उद्देश्य इन समूहों को नए उद्यम स्थापित करने और समावेशी आर्थिक विकास में योगदान देने में सक्षम बनाना था। मंत्रालय ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इस योजना का काफी विस्तार हुआ है, जिसने देशभर में उद्यमिता, रोजगार सृजन और वित्तीय समावेशन पर परिवर्तनकारी प्रभाव दिखाया है।

स्टैंड-अप इंडिया के तहत प्राप्त उपलब्धियां-

वित्त मंत्रालय के मुताबिक स्टैंड-अप इंडिया योजना ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दिखाई है, जिसकी शुरुआत के बाद से स्वीकृत कुल राशि 31 मार्च, 2019 तक 16,085.07 करोड़ रुपये से बढ़कर 17 मार्च, 2025 तक 61,020.41 करोड़ रुपये हो गई है। यह एक महत्वपूर्ण बढ़ोतरी को दर्शाता है, जो देशभर में उद्यमियों को सशक्त बनाने में योजना के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

इस योजना ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति समुदायों और महिला उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सशक्तीकरण को प्रतिबिंबित किया है। इसके तहत मार्च 2018 से मार्च 2024 तक अनुसूचित जाति के खाते बढ़कर 9,399 से 46,248 हो गए और लोन की राशि बढ़कर 1,826.21 करोड़ रुपये से 9,747.11 करोड़ हो गयी। इसी तरह अनुसूचित जनजाति के खाते बढ़कर 2,841 से 15,228 हो गए, जबकि स्वीकृत लोन की राशि बढ़कर 574.65 करोड़ रुपये से 3,244.07 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, 2018 से 2024 तक महिला उद्यमियों के खाते बढ़कर 55,644 से 1,90,844 हो गए तथा स्वीकृत राशि बढ़कर 12,452.37 करोड़ रुपये से 43,984.10 करोड़ रुपये हो गई।

मंत्रालय ने कहा कि 5 अप्रैल, 2016 को अपने आरंभ के बाद से स्टैंड-अप इंडिया योजना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के अपने उद्देश्य पर कायम है। इस योजना का उद्देश्य नए व्यवसाय शुरू करने में मदद करने के लिए बैंक लोन प्रदान करके बाधाओं को तोड़ना है। बीते 7 वर्षों में इस योजना ने न केवल व्यवसायों को वित्त पोषित किया है, बल्कि इसने सपनों को पोषित किया है, आजीविका का सृजन किया है और पूरे भारत में समावेशी विकास को आगे बढ़ाया है। यह योजना केवल लोन के बारे में नहीं है; यह अवसर पैदा करने, बदलाव को प्रेरित करने और आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने के बारे में है।

हिमाचल एग्रो इंडस्ट्रीज ने की 2024-25 में 94 करोड़ की बिक्री

शिमला। वित्त वर्ष 2024-25 में हिमाचल प्रदेश एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन को 94.44 करोड़ रुपये की बिक्री के साथ 4.90 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। हिमाचल के बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में हिमाचल प्रदेश एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीएआईसी) का लाभ 1.64 करोड़ रुपये रहा। निगम के निदेशक मंडल की 261वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए नेगी ने किसानों के हित में एचपीएआईसी की सभी परिचालन गतिविधियों को मजबूत करने की जरुरत पर जोर दिया। यहां जारी बयान के मुताबिक एचपीएआईसी से अपना कामकाज बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि निदेशक मंडल ने गन्ना और संतरे से बने उत्पादों के उत्पादन और विनिर्माण के लिए कांगड़ा जिले के कंदरोड़ी में खाली पड़ी 45.65 कनाल भूमि के उपयोग को मंजूरी दे दी है, जिससे किसानों को काफी लाभ होगा। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र ही व्यापक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। मंत्री ने एचपीएमसी के साथ एचपीएआईसी के विलय की प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत पर बल दिया और इस मामले को कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के समक्ष उठाने के निर्देश दिए।

यस बैंक के मैनेजमेंट में हलचल, चार अधिकारियों को किया बाहर

नई दिल्ली

एक साल में 31 फीसदी सस्ता हुआ शेयर, 21 रुपए तक जाएगा भाव

प्राइवेट सेक्टर के एक प्रमुख बैंक यस बैंक, के मैनेजमेंट में हलचल मची है। बैंक ने अपने चार वरिष्ठ अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया है और इसके साथ ही कई व्यावसायिक क्षेत्रों को पुनर्गठित किया गया है। प्रबंधन द्वारा लिये गए फैसले की जानकारी कर्मचारियों को ईमेल के माध्यम से दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक बैंक में छलांग लगने के बाद नौकरी से निकाले गए अधिकारियों में अक्षय सप्रू, धवल शाह, संजीव रॉय और पंकज शर्मा शामिल हैं। रिपोर्ट में इससे संबंधित अधिक विवरण दाखिल हो रहे हैं, जिसमें निर्दिष्ट किया गया है कि किस कारण से ये निर्णय लिया गया है।

इसी क्रम में, डिजिटल बैंकिंग प्रभाग का पुनर्व्यवस्थापन किया गया है और इसका प्रबंधन प्रशांत कुमार के दीर्घकार्यकालीन निर्देशन में होगा। शेयर बाजार में इस बैंक की हालत भी उचित ध्यान में रखी जा रही है। शेयर मार्केट समीक्षकों के अनुसार, यस बैंक के इस घटना के बावजूद, शेयर मूल्य में अभी भी अच्छी संभावनाएं हैं।

आरबीआई जारी करेगा 10 और 500 रुपये के नए नोट, पहले से जारी 10 और 500 रुपये के नोट वैध रहेंगे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की है कि वह जल्द ही महात्मा गांधी (नई) श्रंखला के तहत 10 और 500 रुपये के नए नोट जारी करेगा। ये नोट नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षरों से लेबल होंगे। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा है कि इन नोटों का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) श्रंखला के 10 और 500 रुपये के मौजूदा बैंक नोटों के समान है। इन नए नोटों की जारी के बावजूद, पहले से जारी 10 रुपये और 500 रुपये के वर्ग के बैंक नोट वैध रहेंगे। इससे पहले आरबीआई ने पिछले महीने गवर्नर मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के नोट जारी करने की गोषणा की थी। मल्होत्रा ने दिसंबर, 2024 में आरबीआई गवर्नर के पद संभाला था और उन्होंने गवर्नर के पद पर रहे शक्तिकान्त दास की जगह ली थी।

एलीगैंज इंटीरियर्स को मिला 187 करोड़ का ऑर्डर

कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक इंटीरियर क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एलीगैंज इंटीरियर्स लिमिटेड ने एक प्रमुख हवाईअड्डा अपग्रेडेशन परियोजना के लिए 187 करोड़ रुपये की ठेकेदारी प्राप्त की है। कंपनी ने गतिविधि को अनुरोध प्राप्त होने के बाद इसकी घोषणा की। यह तीन साल की परियोजना में व्यापक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता, परिष्कृत लॉजिस्टिक्स और बड़े पैमाने पर निर्माण समाधान शामिल हैं। सभी कार्य चालू हवाईअड्डे की स्थितियों में पूरा किए जाएंगे।

ट्रंप की नीति से बिखरे दुनिया भर के बाजार

क्या फिर से मंदी दस्तक दे रही है

नई दिल्ली

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों ने वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी है। शुक्रवार को ट्रंप द्वारा लागू की गई रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक शुल्क) नीति के चलते अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। डॉव जोन्स, एसएंडपी 500 और नैस्डैक जैसे प्रमुख सूचकांकों में 5प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह कोरोना महामारी के बाद का सबसे बुरा दिन बन गया।

डॉव जोन्स 5.50प्रतिशत लुढ़क गया, जबकि एसएंडपी 500 में करीब 6प्रतिशत और नैस्डैक में 5.73प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि ब्रिटेन के एफटीएसई 100 और जर्मनी के डीएक्स इंडेक्स में भी 4.95प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारत के बाजार भी इस संकट से अछूते नहीं रहे, जहां सेंसेक्स 930 अंकों की गिरावट के साथ 75,364.69 पर बंद हुआ और निफ्टी 1.49प्रतिशत गिरकर 22,904.45 पर आ गया। व्यापार युद्ध तेज डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ नीति के तहत अमेरिका ने सभी आयातों पर 10प्रतिशत शुल्क लगाया है, जो 9 अप्रैल से और अधिक बढ़कर 20प्रतिशत हो जाएगा। इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर 34प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। इससे वैश्विक व्यापार में तनाव और अधिक बढ़ गया है। ट्रंप ने चीन पर पैनिक करने का आरोप लगाया और कहा कि यह अमेरिका की मजबूती का प्रमाण है। मंदी के साथ महंगाई की आशंका एएसके प्राइवेट वेल्थ की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यापार नीति अमेरिका को 1800 के दशक जैसी व्यापार बाधाओं की ओर ले जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी आशंका जताई गई है कि अमेरिका में स्टैगफ्लेशन (मंदी के साथ महंगाई) की स्थिति बन सकती है। बाजार में घबराहट, निवेशकों में चिंता ट्रंप के इन फैसलों से निवेशकों में भारी घबराहट है। एक अनुमान के मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों से 9 ट्रिलियन डॉलर की बाजार पूंजी साफ हो चुकी है।

सभी के लिए पेंशन राष्ट्रीय प्राथमिकता बननी चाहिए : पंकज चौधरी

नई दिल्ली

पहला अंतरराष्ट्रीय पेंशन अनुसंधान सम्मेलन (आईआरसीपी) 2025 विश्व बैंक और विशेषज्ञों सहित वैश्विक प्रमुखों की भागीदारी के साथ शुक्रवार को नई दिल्ली में संपन्न हो गया। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सभी के लिए पेंशन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

चौधरी ने कहा कि आने वाले दशकों में भारत की जनसांख्यिकी बहुत तेजी से बदल रही है। वर्ष 2050 तक पांच में से एक भारतीय 60 वर्ष से अधिक आयु का होगा, जबकि 2047 तक बुजुर्गों की संख्या बच्चों की संख्या से ज्यादा हो जाएगी। अनुमान है कि सदी के मध्य तक 19 फीसदी आबादी बुजुर्ग होगी, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं होंगी। ऐसे में समावेशी पेंशन योजनाओं के जरिए वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना केवल एक लक्ष्य नहीं है, बल्कि देश के लिए जरूरत है। सभी के लिए पेंशन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए, जिसके लिए हमारी वृद्ध हो रही आबादी के लिए एक सम्मानजनक और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत योजना की आवश्यकता है।

इस अवसर पर वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव नागराजू मद्दिराला ने कहा कि भारत की पेंशन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहा है। एकीकृत पेंशन प्रणाली की शुरुआत तथा इसमें अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने के प्रयासों के माध्यम से हम सुरक्षित सेवानिवृत्ति के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रहे हैं। यूपीएस में सेवानिवृत्ति से पहले पिछले 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन की 50 फीसदी राशि पेंशन के रूप में प्रदान करने का प्रावधान है। भारत की पेंशन परिसंपत्तियां, जो सकल घरेलू उत्पादन का लगभग 17 फीसदी है, ओईसीडी औसत से बहुत कम है, जहां वे आमतौर पर 80 फीसदी से अधिक होती हैं। यह सेवानिवृत्ति की तैयारी में एक बड़ी असमानता को दर्शाता है।

पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष डॉ. दीपक मोहंती ने कहा कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) भारत के पेंशन क्षेत्र की आधारशिला के रूप में उभरी है, जो लाखों लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देती है। इसमें 14.4 लाख करोड़ का संचित कोष और एनपीएस और एपीवाई के तहत 8.4 करोड़ ग्राहक हैं। जैसा कि हम प्रौद्योगिकी-आधारित पहलों और नए नीतिगत समाधानों को अपनाते हैं। हमारा ध्यान अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और भावी पीढ़ियों के लिए पेंशन-समावेशी समाज बनाने पर रहता है।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि नई दिल्ली में आयोजित पहला आईआरसीपी 2025 कल संपन्न हो गया है। इसका उद्घाटन 3 अप्रैल को भारत मंडपम में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से किया था ताकि भारत की मजबूत वृद्धावस्था आय सुरक्षा की ऐतिहासिक यात्रा को महत्वपूर्ण बनाया जा सके।

सऊदी प्रो लीग 2024-25 : रोनाल्डो के दो गोल की बदौलत अल-नासर ने अल हिलाल को 3-1 से हराया

नई दिल्ली

सऊदी प्रो लीग 2024-25 के रियाद डर्बी मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल और अली अलहसन के शानदार गोल की बदौलत अल-नासर ने शनिवार को किंगडम एरीना में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी अल हिलाल को 3-1 से मात दी।

28 वर्षीय मिडफील्डर अली अलहसन ने पहले हाफ के इंजरी टाइम (45+4वें मिनट) में एक जबरदस्त गोल कर सीजन का अपना खाता खोला। उन्होंने बॉक्स के बाहर से शॉर्ट कॉर्नर रूटीन के बाद टॉप-लेफ्ट कॉर्नर में दमदार शॉट मारा, जिसे गोलकीपर रोक नहीं सका।

मैच की शुरुआत काफी तेज़ रफ्तार में हुई और दोनों टीमें एक-दूसरे पर आक्रामक रुख अपनाते नजर आईं। हालांकि 12वें मिनट में अल-नासर को उस वक्त झटका लगा, जब रोनाल्डो कंधे की चोट के कारण कुछ देर के लिए मैदान से बाहर गए। लेकिन इलाज के बाद वह दोबारा खेल में लौटे।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अल-नासर ने बढ़त को दोगुना कर दिया। 47वें मिनट में सादियो माने की अगुवाई में तेज़ काउंटर-अटैक हुआ। उन्होंने रक्षापंक्ति को चकमा देते हुए गेंद रोनाल्डो को दी, जिन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए गोल कर दिया।

इसके बाद अल हिलाल ने वापसी की कोशिश की और गेंद पर कब्जा बनाकर एक गोल किया। डिफेंडर अली अलबुलायही ने कॉर्नर से मिले मौके पर सबसे ऊंची छलांग लगाकर हेडर से गोल दागा।

हालांकि, अंतिम क्षणों में रोनाल्डो ने एक और गोल पेनल्टी के जरिए कर मैच को अल हिलाल की पहुंच से बाहर कर दिया। यह गोल अल-नासर की रियाद डर्बी में पिछले तीन वर्षों में पहली जीत को सुनिश्चित करने वाला बना।

इस जीत के साथ अल-नासर 54 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर बरकरार है और अब वह शीर्ष पर मौजूद अल हिलाल से केवल तीन अंक पीछे है। वहीं, इस हार से अल हिलाल की खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

न्यूज ब्रीफ

ईशान किशन के 'बागी रवैए' को नहीं है भूलाया बीसीसीआई ने

नई दिल्ली। कभी भारतीय टीम की पहली पसंद माने जाने वाले क्रिकेटर ईशान किशन के 'बागी रवैए' को

बीसीसीआई अब भी भूला नहीं है। बीते सीजन में बोर्ड के निर्देश को नजरअंदाज करते हुए ईशान ने घरेलू क्रिकेट खेलने के बजाय आईपीएल की तैयारी को प्राथमिकता दी थी। इसी फैसले के बाद से उनका करियर डगमगाने लगा। पहले मुंबई इंडियंस ने उन्हें टीम से बाहर किया और अब खबरें हैं कि उन्हें इस बार बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से भी बाहर किया जा सकता है। एक समय था जब ईशान को सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत का भविष्य माना जा रहा था। लेकिन अब स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। जहां एक तरफ ऋषभ पंत, संजू सैमसन, केएल राहुल जैसे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाजों को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में बरकरार रखा गया है, वहीं ध्रुव जुरैल, प्रभसिमरन सिंह, जीतेश शर्मा, विष्णु विनोद, कुमार कुशाग्र और नारायण जगदीशन जैसे युवा खिलाड़ियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस सूची में ईशान का नाम कहीं नजर नहीं आता। आईपीएल में शानदार शतक के बावजूद ईशान को लेकर बोर्ड और चयनकर्ताओं की चुप्पी यह इशारा कर रही है कि उन्हें दोबारा खुद को साबित करने के लिए कुछ और बड़ी पारियां खेलनी होंगी। जब तक वह निरंतरता नहीं दिखाते और बीसीसीआई के साथ अपने रिश्ते नहीं सुधारते, तब तक उनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा पूरी तरह खुलता नहीं दिख रहा। ईशान किशन के लिए यह आईपीएल न सिर्फ एक टूर्नामेंट है, बल्कि उनके करियर की नई राह बनाने का आखिरी मौका भी साबित हो सकता है। बता दें कि कभी भारतीय टीम की पहली पसंद माने जाने वाले ईशान किशन भारतीय क्रिकेट में हाशिये पर जाते दिख रहे हैं। आईपीएल 2025 के पहले ही मैच में ईशान किशन ने 47 गेंदों पर 106 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने 7 छक्के और 11 चौके जड़कर अपने इरादे साफ कर दिए थे कि वह टीम इंडिया में वापसी को लेकर गंभीर हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि सिर्फ प्रदर्शन अब उनके लिए काफी नहीं रहा।

आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्का मारना नहीं होता, वेंकटेश अय्यर ने केकेआर के खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र

कोलकाता। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स

के उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर ने विपक्षी टीम को आक्रामक बैटिंग के बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्का मारना नहीं बल्कि हर गेंद पर सही इरादा दिखाने से है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में वेंकटेश ने हाफ सेंचुरी जड़ते हुए मात्र 29 गेंदों पर 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए और पिछले सीजन के फाइनल की तरह ईडन गार्डंस पर गुरुवार को एक अच्छी शुरुआत के बाद केकेआर को 200 रनों तक पहुंचाया। केकेआर की बल्लेबाजी को लेकर अय्यर ने कहा कि आक्रामकता दिखाना जरूरी है, लेकिन खेलने के दौरान अहम यह है कि आप अपने नेचुरल गेम पर फोकस रखें। अय्यर ने कहा कि अगर हमारा स्कोर 50 रन पर छह विकेट था और हमें खुद को स्मार्ट क्रिकेटर कहना है, तो किसी भी स्थिति को समझना और उसके मुताबिक प्रतिक्रिया करना बहुत अहम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केकेआर की आक्रामकता की परिभाषा हर गेंद पर बिना सोचे-समझे बाउंड्री लगाना नहीं है।

मुंबई इंडियंस ने रन चेज के दौरान तिलक वर्मा को कराया रिटायर्ड आउट

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ

रन चेज के दौरान मुंबई इंडियंस ने एक चौंकाने वाला कदम उठाया। टीम ने तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करने का फैसला किया, जो उस समय 23 गेंदों पर 25 रन बनाकर खेल रहे थे। यह घटना मैच के 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हुई, जब शार्दुल ठाकुर गेंदबाजी कर रहे थे और मुंबई को जीत के लिए 7 गेंदों में 24 रन की जरूरत थी। तिलक की जगह मिशेल सैंटनर को क्रीज पर भेजा गया। हालांकि, मुंबई यह मुकाबला नहीं जीत सकी और आवेश खान ने आखिरी ओवर में 22 रन बचा लिए। मैच के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा, ये साफ था कि हमें बड़े शॉट्स की जरूरत थी और तिलक उस दिन लय में नहीं थे। क्रिकेट में ऐसा दिन आता है जब आप पूरी कोशिश करते हैं लेकिन चीजें आपके पक्ष में नहीं जातीं। हमारा फैसला खुद बयां कर रहा है कि हमने ऐसा क्यों किया। आईपीएल में यह चौथी बार है जब कोई बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हुआ हो। इससे पहले 2022 में राजस्थान रॉयल्स के रविचंद्रन अश्विन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई में यह कदम उठाया था। 2023 में पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धर्मशाला में अथर्व ताइड़े को रिटायर्ड आउट किया था।

शूटिंग विश्व कप : चेन सिंह ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में जीता कांस्य

नई दिल्ली

वरिष्ठ शूटर और एशियन गेम्स पदक विजेता चेन सिंह ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत के लिए पहला पदक दिलाया। चेन सिंह ने शुक्रवार को पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

हंगरी के इस्टवान पेनि ने 461.0 अंकों के साथ स्वर्ण पदक, जबकि चीन के तियान जियामिंग ने 458.8 अंकों के साथ रजत पदक जीता। चेन सिंह ने 45 शॉट्स के फाइनल में 443.7 अंकों के साथ अंतिम से पहले शॉट के बाद मुकाबले से बाहर हो गए, लेकिन तब तक वे भारत के लिए पदक पक्का कर चुके थे। यह उनका तीन साल बाद किसी आईएसएसएफ प्रतियोगिता में पदक है।

क्वालिफिकेशन राउंड

भारत की ओर से ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और चेन सिंह—तीनों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इसमें मौजूदा विश्व चैंपियन अलेक्जेंडर श्मिर्ल (ऑस्ट्रिया) जैसे दिग्गज भी शामिल थे।

ऐश्वर्य ने 589 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर क्वालीफाई किया, जबकि समान स्कोर के बावजूद सटीकता के आधार पर चेन को तीसरा स्थान मिला। नीरज ने 587 अंकों के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

फाइनल मुकाबला

फाइनल की शुरुआत में नीरज कुमार ने घुटने के बल स्थिति में बेहतरीन प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन कमजोर हुआ। वहीं ऐश्वर्य और चेन ने प्रदर्शन में सुधार किया।

प्रोन पोजीशन के बाद वे तीसरे और चौथे स्थान पर आ गए और अंतिम स्टैंडिंग पोजीशन में मजबूती बनाए रखी। हालांकि, ऐश्वर्य को 41वें शॉट में 7.8 स्कोर के कारण पदक से हाथ धोना पड़ा। श्मिर्ल 42वें शॉट के बाद पांचवें स्थान पर रहकर बाहर हुए और इसी के साथ चेन सिंह ने भारत के लिए पदक पक्का कर दिया।

मोहम्मद शमी बेटी से मिलने नहीं पहुंचे तो फूटा पूर्व पत्नी का गुस्सा

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कोलकाता में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच खेलने पहुंचे थे, लेकिन वे वहीं रह रही उनकी पूर्व पत्नी हसीन जहां और उनकी बेटी से मिलने नहीं पहुंचे। इस बात को लेकर हसीन जहां का गुस्सा सोशल मीडिया पर फूट पड़ा। उन्होंने शमी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह कभी भी अपनी बेटी से मिलने की कोशिश नहीं करते और न ही उसकी पढ़ाई या भविष्य को लेकर कोई जिम्मेदारी दिखाते हैं। हसीन जहां ने 3 अप्रैल को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा कि शमी अहमद कोलकाता आते हैं लेकिन अपनी बेटी आयरा से नहीं मिलते। उन्होंने दावा किया कि आखिरी बार जब शमी अपनी बेटी से मिले थे, तो वह भी कोर्ट के आदेश के डर से मिले थे। हसीन ने लिखा कि शमी को कभी अपनी बेटी की परवाह नहीं रही और उन्होंने न तो कभी अच्छी शिक्षा देने की कोशिश की और न ही भविष्य सुरक्षित करने का प्रयास किया। हसीन ने यह भी कहा कि त्योहारों और जन्मदिन जैसे खास मौकों पर भी शमी बेटी से बात नहीं करते। हसीन ने एक पुरानी घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार आयरा ने बकरीद से पहले अपने पिता को कई बार कॉल और मैसेज किया, ताकि बात कर सके।

अन्य परिणाम

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन की पहले दिन की प्रिसिशन राउंड में मनु भाकर ने 300 में से 291 स्कोर कर चौथे स्थान पर रहीं। सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने 290 स्कोर कर छठा स्थान हासिल किया। ईशा सिंह ने 285 स्कोर कर बारहवें स्थान पर रहीं। वहीं, स्कीट प्रतियोगिता के दूसरे दिन पेरिस ओलंपियन राइजा ढिल्लों ने तीन राउंड में 71 का स्कोर कर सातवें स्थान पर रहते हुए भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह शीर्ष स्थान से केवल दो अंक पीछे हैं।

केविन डी ब्रुइन का मैनचेस्टर सिटी से विदाई का ऐलान, सीजन के अंत में क्लब छोड़ेंगे

नई दिल्ली

मैनचेस्टर सिटी के दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने शुक्रवार को एक भावुक पोस्ट के जरिए ऐलान किया कि वह इस सीजन के अंत में क्लब को अलविदा कह देंगे। डी ब्रुइन ने सोशल मीडिया पर लिखा, आपने यह पोस्ट देखी, तो शायद समझ गए होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं। सीधे मुद्दे पर आता हूं - यह मेरे मैनचेस्टर सिटी करियर के आखिरी कुछ महीने हैं।

यह लिखना आसान नहीं है, लेकिन हम फुटबॉलर्स जानते हैं कि यह दिन एक न एक दिन जरूर आता है। वह दिन आज है - और आप सबको यह खबर सबसे पहले मुझसे मिलनी चाहिए थी।

2015 में जर्मन क्लब वोल्फ्सबर्ग से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए डी ब्रुइन ने क्लब के साथ 16 ट्रॉफी अपने नाम की हैं। इनमें 2022-23 सीजन में ऐतिहासिक ट्रेबल जीत भी शामिल है।

अपने पहले ही सीजन में उन्होंने 16 गोल और 15 असिस्ट किए और क्लब के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। कुल 413 मैचों में डी ब्रुइन ने 106 गोल और 174 असिस्ट किए। वह प्रीमियर लीग के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरों में गिने जाते हैं।

डी ब्रुइन ने लिखा, फुटबॉल ने मुझे आप सभी से और इस शहर से जोड़ा। जब मैं अपना सपना पूरा करने आया था, तब नहीं जानता था कि यह दौर मेरी जिंदगी बदल देगा। इस शहर, इस क्लब और इन लोगों ने मुझे सबकुछ दिया। और मैंने भी बदले में सब कुछ झोंक दिया - और हम सब कुछ जीत गए।उन्होंने आगे कहा,मेरी पत्नी मिशेल और हमारे बच्चे सूरी, रोम, मेसन और मैं - सभी इस शहर और इसके लोगों के हमेशा ऋणी रहेंगे। 'मैनचेस्टर' हमारे बच्चों के पासपोर्ट पर ही नहीं, बल्कि दिलों में भी रहेगा। यह हमेशा हमारा घर रहेगा। 33 वर्षीय डी ब्रुइन मैनचेस्टर सिटी के उस दौर के अहम सदस्य रहे हैं, जब क्लब ने अंग्रेजी फुटबॉल पर अपना दबदबा बनाया। वह दो बार (2019-20 और 2020-21) प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुने गए। प्रीमियर लीग में वह अब तक कुल 118 असिस्ट कर चुके हैं, जो ऑल-टाइम लिस्ट में दूसरे स्थान पर है।

फॉर्मूला वन जापानी ग्रैंड प्रिक्स 2025

जापान के सुजुका में सुजुका सर्किट में फॉर्मूला वन जापानी ग्रैंड प्रिक्स 2025 के अभ्यास सत्र के दौरान ड्राइव करते रेड बुल के ड्राइवर नीदरलैंड के मैक्स वर्स्टैपेन (बाएं) और जापान की त्सुनोदा युकी।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत और गेंदबाज दिग्वेश पर लगा जुर्माना

लखनऊ

टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 16वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले के बाद एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत और गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जुर्माना लगाया गया है।

लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने धीमी ओवर गति बनाए रखी। यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, जिसके चलते कप्तान ऋषभ पंत पर आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह अनुच्छेद न्यूनतम ओवर गति से संबंधित मामलों को कवर करता है।

वहीं, एलएसजी के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगा है। यह इस सीजन में उनका दूसरा लेवल एक उल्लंघन है, जिसके चलते उन्हें दो डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इससे पहले एक अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच में उन्हें एक डिमेरिट अंक मिल चुका है। दिग्वेश पर यह जुर्माना मुंबई के बल्लेबाज नमनधीर को आउट करने के बाद नोटबुक सेलीब्रेशन करने के लिए लगाया है। इसके पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ भी उनपर इसी तरह का सेलीब्रेशन करने के लिए जुर्माना लगाया गया था। आईपीएल आचार संहिता के लेवल एक उल्लंघनों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।

महिमा टेटे ने की बड़ी बहन सलीमा की तारीफ, कहा- दीदी मुझे बहुत सपोर्ट करती हैं

बेंगलुरु

हाल ही में 15वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप जीतने के बाद महिमा टेटे के लिए पिछले कुछ हफ्ते यादगार रहे हैं। झारखंड की इस 21 वर्षीय मिडफील्डर को अब सीनियर नेशनल कैंप में जगह मिली है, जहां वह अपनी बड़ी बहन और भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे के साथ ट्रेनिंग कर रही हैं।

महिमा ने कैंप में बहन के साथ बिताए अनुभव को साझा करते हुए हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं हमेशा अपनी दीदी के नक्शेकदम पर चलना चाहती थी और देश के लिए अच्छा करना चाहती थी। अब जब मैं उनके साथ ट्रेनिंग कर रही हूं, तो बहुत अच्छा लग रहा है। जब मैं कुछ गलत करती हूं, तो वह मुझे समझाती हैं और सुधारने में मदद करती हैं। दीदी मुझे बहुत सपोर्ट करती हैं।

महिमा ने बताया कि कैंप में आने से पहले सलीमा ने उन्हें कई अहम बातें बताईं, जिससे वह मानसिक रूप से तैयार हो सकीं। उन्होंने कहा,

दीदी ने मुझे मेहनत करने और कभी पीछे न हटने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि घरेलू टूर्नामेंट की तुलना में यहां खेल की रफ्तार तेज होती है, इसलिए हर वक्त सतर्क रहना होगा। यह सुनकर मैंने अपने मन को पहले ही तैयार कर लिया था।

महिमा शुरू में 65 संभावित खिलाड़ियों की सूची में थीं, लेकिन ट्रेनिंग और फिटनेस टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्हें 2 अप्रैल को घोषित 40 सदस्यीय मुख्य सूची में जगह मिल गई। इस पर उन्होंने कहा, यह एक अलग अनुभव है। सीनियर खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करना शानदार है। मैं खुश हूं कि सीनियर टीम में हूं, लेकिन मुझे अब और मेहनत करनी होगी ताकि उस स्तर तक पहुंच सकूं जहां मुझे होना चाहिए। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से मुकाबले के लिए बहुत फिट और तेज होना जरूरी है। इसलिए सीनियर कैंप में हमें बहुत कड़ी ट्रेनिंग दी जाती है।

बीमार होने के बावजूद फाइनल मैच में झोंकी पूरी ताकत

महिमा ने झारखंड की ओर से खेले गए सभी पांच मुकाबलों में अहम भूमिका निभाई और टीम को पहली बार फाइनल तक पहुंचाने में मदद की। फाइनल में झारखंड ने गत चैंपियन हरियाणा को शूटआउट में 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस खास दिन पर महिमा बीमार थीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

महिमा ने कहा, मैं बीमार थी, इसलिए शूटआउट में हिस्सा नहीं ले सकी, लेकिन मैंने खुद को तैयार किया और चार बोतल पानी पिया ताकि पूरे मैच में खेल सकूं। मैंने खुद से कहा कि यह मौका बार-बार नहीं मिलेगा और अपनी टीम को गोल्ड दिलाने के लिए मैंने पूरी जान लगा दी। एक बार भी मन में नहीं आया कि बीमार होने के कारण मैच छोड़ दूं।

महिमा का अगला लक्ष्य सीनियर टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल होना है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत मेहनत करनी होगी ताकि मैं उन खिलाड़ियों के स्तर पर पहुंच सकूं जो अभी टीम में खेल रही हैं। मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी टीम की शुरुआत करने वाली खिलाड़ियों में शामिल हो सकूं।

साबूदाना पायसम

छह लोगों के लिए

सामग्री

500 ग्राम साबूदाना, 20 ग्राम घी, 1 लीटर दूध, 1/2 टी स्पून केसर के धागे, 200 ग्राम गुड़, 2 छोटी इलायची पिसी हुई, 50 ग्राम काजू के टुकड़े, 20 ग्राम किशमिश।

विधि

- एक फ्राइंग पैन में घी डालकर गर्म करें।
- काजू व किशमिश डालकर सुनहरा करें। अलग रखें।
- एक पैन में 1 लीटर पानी उबालें। जब पानी खौलने लगे तब साबूदाना डाल कर पकाएं। जब साबूदाना पक जाए तब गुड़ डालकर अच्छी तरह चलाते हुए पकाएं।
- गुड़ जब अच्छी तरह घुल जाए तब केसर, इलायची पाउडर, काजू और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आंच से उतार ठंडा करके सर्व करें।

सात लोगों के लिए

बेसनी कचौड़ी

सामग्रीः 600 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बेसन, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चुटकी हींग, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

विधि : ८ 500 ग्राम मैदा रोटी के आटे की तरह गूंध लें। बेसन में नमक, हींग, मिर्च डालकर मैदा की तरह गूंध लें।

८ मैदा की लोई बनाकर इसमें बेसन कचौड़ी की तरह भर लें। टिकिया को बची मैदा का पलोथन अच्छी तरह लगा-लगाकर पतली बेल लें। जितनी पतली बेलेंगी उतनी ही अच्छी होगी।

८ कड़ाही में घी खूब गर्म करके उसमें कचौड़ी डालें। डालते ही यह फूल जाएगी।

डॉक्टर बनने का रास्ता एमबीबीएसए, बीडीएसए, बीएएमएसए, बीएचएमस जैसे कोर्सेज से होकर जाता है। इसके लिए आपको ऑल इंडिया प्री. मेडिकल टेस्ट एग्जाम क्वालिफाई ई करना होता है। मेरिट के बेस पर आपको इन कोर्सेज में एडमिशन मिलता है। तीन मई को होने वाले इस एग्जाम में ऑब्जेक्टिव टाइप के 180 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें तीन भाग होते हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी। यह एग्जाम क्वालिफाई ई करने के लिए केवल इंटेलिजेंस ही काफी नहीं है। इसके लिए अच्छी स्ट्रेटेजी भी जरूरी है।

स्मार्ट स्ट्रेटेजी से पाएं सफलता

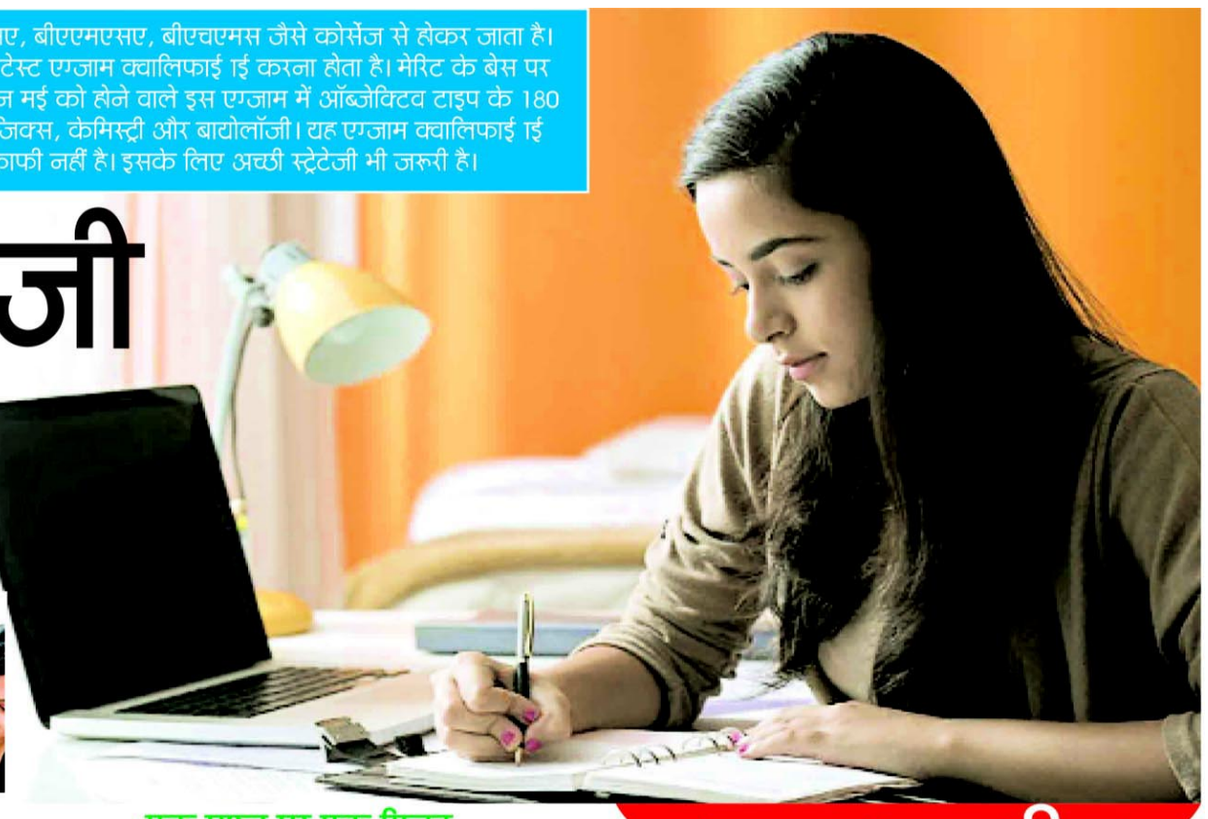

ये हैं स्कोरिंग चैप्टर्स

फिजिक्स, मॉडर्न फिजिक्स, सिंपल सर्किट, मैकेनिक्स, ऑप्टिक्स, हीट, मैग्नेटिज्म और वेव्स केमिस्ट्री, रिएक्शन मैकेनिज्म कॉम्प्लेक्स कंपाउंड केमिकल बॉन्डिंग पॉलिमर एरोमैटिक कंपाउंड केमिकल इक्विलिब्रियम बायोलॉजी,क्लासीफिकेशन एनिमल फिजियोलॉजी एंजियोस्पर्म एप्लीकेशन बायोलॉजी जेनेटिक्स और साइकोलॉजी

कॉन्सेप्ट पर करें मेहनत

पीएमटी एग्जाम में कॉन्सेप्ट बेस्ड नए प्रश्न पूछे जाते हैं। इसलिए हर टॉपिक के कॉन्सेप्ट और फॉर्मूले का यूज अच्छी तरह समझ लें। टॉपिकवाइज नए-नए प्रश्न को सॉल्व करें और अपनी परफॉर्मेंस एनालाइज करें।

प्रैक्टिस करके बढ़ाएं स्पीड

हर दिन नियमित रूप से दो से तीन प्रैक्टिस सेट तय समय से थोड़े कम में सॉल्व करें। जितने ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट दे सकेंगे जरूर दें। इससे आपकी स्पीड भी तेज होगी और आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा।

एक प्रश्न पर एक मिनट

इस एग्जाम में तीन घंटे में तीन सब्जेक्ट्स के 180 प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसे में प्लानिंग के साथ एक प्रश्न पर एक मिनट या उससे कम समय दें ताकि सभी प्रश्नों को देखकर उसे हल कर सकेंगे। आखिर में आपके 15.20 मिनट रिवीजन के लिए भी बच जाऐंगे तो अच्छा है।

निगेटिव मार्किंग से बचें

एआइपीएमटी में निगेटिव मार्किंग सिस्टम है। सभी रॉन्ग आंसर के लिए एक अंक काट लिए जाते हैं। ऐसे में उन्हीं प्रश्न को पहले सॉल्व करें जिन पर आप कॉन्फिडेंट हों। इसके बाद उनको टच करें जिसमें 50.50 का चांस लग रहा हो। वैसे प्रश्न को ट्राई करने की गलती न करें जिनके किसी भी ऑप्शन के प्रति आप श्योर नहीं हैं।

छोटी मगर जरूरी बातें

फ्रेशर्स एग्जाम पैटर्न को पूरी तरह से समझ लें। अपने नोट्स जरूर बनाएं। उनसे रिवीजन करें।

एग्जाम टाइम टिप्स

- एग्जाम से एक दिन पहले ही खुद को पूरी तरह कूल रखें।
- एग्जाम हॉल में जब पेपर सामने हो तो जरा भी न घबराएं।
- किसी तरह की टेंशन से बचने के लिए एग्जाम से कुछ देर पहले क्लासिकल या पुराने गाने सुनें और रिलैक्स हो लें।
- एग्जाम के दौरान मिल्की चॉकलेट खाएं। इससे ग्लूकोज भी मिलता रहेगा और रेस्पिरेटरी सिस्टम भी ठीक रहेगा।

सिस्टेमेटिक तैयारी जरूरी

पीएमटी की तैयारी के लिए आपको सिस्टेमेटिक अप्रोच रखना चाहिए। पहले ईजी प्रश्न सॉल्व करें फिर टफ फिजिक्स की रोज कम से कम 4.6 घंटे प्रैक्टिस करें। केमिस्ट्री को 10.15 दिन पर रिवाइज करें। बॉयोलॉजी के लिए रेगुलर 2.3 घंटे फिक्स्ड टाइम दें। खुद को किसी से कम न समझें सफलता आपकी मुट्ठी में होगी।

तराशें टैलेंट

अगर आपको अपने टैलेंट के बारे में अच्छी तरह पता है और आप उसे लगातार निखारने में लगे रहते हैं तो तय मानिए जॉब मार्केट में आपकी वैल्यू न सिर्फ हमेशा हाई रहेगी बल्कि वर्तमान कंपनी भी हर कीमत पर आपको अपने साथ बनाए रखना चाहेगी।

प्रखर वर्मा एक बड़ी टेलीकम्युनिकेशन कंपनी के मार्केटिंग डिवीजन में सीनियर सेल्स मैनेजर हैं। उन्होंने एमबीए करने के बाद पांच साल पहले इसी कंपनी से जूनियर एग्जीक्यूटिव पद से नौकरी की शुरुआत की थी। अपनी काबिलियत, स्मार्टनेस, सक्रियता, टीम स्पिरिट और कम्युनिकेशन स्किल की बदौलत उन्हें चार प्रमोशन मिले। उनका रिकॉर्ड रहा है कि वे हमेशा दिए गए टार्गेट से डेढ़ गुना ज्यादा अचीव करके कंपनी को देते रहे हैं। अपनी इस यूएसपी की बदौलत वे अधिकारियों और कंपनी के चहेते रहे हैं। हालांकि हाल में कई बड़ी कंपनियों द्वारा उन्हें डेढ़ से दो गुनी सैलरी ऑफर होने की भनक लगते ही उनकी वर्तमान कंपनी सचेत हो गई। वह प्रखर को किसी भी कीमत पर अपने से अलग नहीं होने देना चाहती। यही कारण है कि हाल में उसने उन्हें पद और पैसे में बढ़ोत्तरी करने के अलावा ई-सॉप्स यानी एम्प्लॉयी स्टॉक ओनरशिप प्लान देकर उनके साथ अपने संबंध और मजबूत बना लिए हैं।

इंट्रेस्ट को समझें

पहचान पाने और तरक्की की सीढ़ियां लगातार चढ़ते जाने के लिए यह जरूरी है कि आप अपने इंट्रेस्ट वाले क्षेत्र में खुद को आगे बढ़ाने की अनवरत कोशिश करें। हालांकि कई बार ऐसा भी होता है कि तमाम लोग यह समझ ही नहीं पाते कि वास्तव में उनका इंट्रेस्ट किस दिशा में है। कभी उन्हें एक्टिंग भाती है तो कभी पेंटिंग और कभी स्पोर्ट्स। हद तो यह है कि अक्सर दूसरों को मेडिकल, इंजीनियरिंग या आइएएस की तैयारी करते देख वे खुद भी उसी राह पर चल पड़ते हैं, बिना सोचे-समझे कि वह उनके मन का क्षेत्र है या नहीं। कई बार यह सोचकर भी लोग अपने इंट्रेस्ट वाले क्षेत्र से उल्टी धारा में बहने लगते हैं कि पता नहीं उसमें कुछ बन पाएंगे या नहीं। दुविधा की यह स्थिति अगले कुछ सालों में उनकी लय पूरी तरह बिगाड़ देती है। फिर जैसे-तैसे जिंदगी की गाड़ी खींचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

बनाएं पहचान

अगर आप अपने इंट्रेस्ट को बखूबी समझते हुए उसी दिशा में अपना टैलेंट तराशने की कोशिश करेंगे, तो आप एक न एक दिन जरूर कामयाब और कॉन्फिडेंट होंगे। आज के समय में किसी भी फील्ड को कम करके नहीं आंका जा सकता। ऐसे में जो भी आपका इंट्रेस्ट एरिया हो, उसमें पूरी तरह डूबें। उसमें अव्वल दर्जे की महारत हासिल करने की कोशिश करके ही आप अपनी पहचान बना सकते हैं।

से तौबा

कोई भी व्यक्ति शुरुआत से ही परफेक्ट नहीं होता। वह गलतियों से सीखता और खुद को सुधारता है। सामने आने वाली कमजोरियों पर नजर रखते हुए समय रहते उन्हें दूर कर लेता है। लेकिन जो खुद को औरों से ज्यादा ज्ञानवान और होशियार समझता है, अपनी कमजोरियों को नजरअंदाज करता है, वह अपने ही विकास में रोड़े अटका देता है।

मल्टीटास्कर की पूछ

जिस फील्डट में आपका स्पेशलाइजेशन है उसमें तो आप आगे बढ़कर अपनी क्षमता दिखाएं ही। इसके अलावा, मल्टीटास्कर बनने की दिशा में भी कदम बढ़ाएं। कई बार ऐसा होता है कि ऑफिस में अचानक कोई काम आ जाने पर उसका एक्सपर्ट नहीं मिलता। ऐसे में संकटमोचक का काम मल्टीटास्कर ही करता है। आज वह समय नहीं रहा जब एक ही काम करते हुए पूरी जिंदगी बिता दी जाती थी। आज एम्प्लॉयी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने फील्ड से संबंधित हर तरह के काम निपुणता के साथ कर सकता है।

टीम वर्क और एटीट्यूड

आज के समय में कामयाबी की एक शर्त टीम वर्क के रूप में काम करने की काबिलियत भी है। अगर आप अपनी टीम के साथ तालमेल बनाकर रखते हैं तो इससे आप हर तरह के असाइनमेंट को अंजाम तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन इसके लिए टीम मेंबर के साथ आपको सहयोगी रुख बनाये रखना होगा। पॉजिटिव एटीट्यूड के साथ आप माहौल को खुशनुमा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। इससे आउटपुट और बेहतर होगा।

- जॉब मार्केट में अपनी वैल्यू बढ़ाना चाहते हैं तो अपने स्पेशलाइजेशन को लगातार अपडेट करते रहें।
- समय-समय पर अपनी कमजोरियों की तलाश कर उन्हें दूर करने का प्रयास करें।

मिस्सी मसाला पराठा

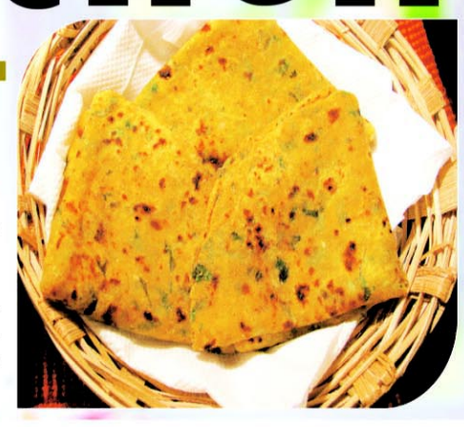

सामग्री-गेहूं का आटा- 1 कप, बेसन-1/2 -1 कप, हींग-1 चुटकी, अजवायन-1/4 छोटी, अदरक- 1 इंच अदरक का टुकड़ा (पेस्ट बना लीजिये), लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम, जीरा, 1/4 छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार (आधा छोटी चम्मच), हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, हरा धनियां-3-4 टेबल स्पून, तेल-2-4 छोटी चम्मच आटे में डालने के लिये और परांठे बनाने के लिये।

विधि : बाउल में गेहूं का आटा, बेसन, तेल, नमक, लालमिर्च, हल्दी, जीरा, हींग और हरा धनियां डालकर अच्छी तरह मिला लीजिये और पानी की सहायता से नरम आटा गूंथ कर तैयार कर लीजिये। गुथे आटे को ढककर आधा घंटे के लिये रख दीजिये आटा फूल कर सैट हो जायेगा। तवे को गरम कीजिये, आटे से थोड़ा सा आटा एक नीबू से थोड़ा अधिक तोड़ कर लोई बना लीजिये। लोई को सूखे गेहूं के आटे में लपेट कर चकले पर रखिये और पतला 2/2-3 इंच के व्यास में बेल कर तैयार कर लीजिये। बेले गये परांठे के ऊपर थोड़ा सा तेल डालकर चारों ओर फैला लीजिये, चारों ओर से आटे को उठाते हुये बन्द कर दीजिये। जो गोल लोई बनकर तैयार हो गई है। उसे सूखे आटे में लपेट कर बेलिये। जैसे ही परांठा चकले से चिपकने लगे बेले गये परांठे को फिर से सूखे आटे में लपेटकर, पतला परांठा बेल कर तैयार कर लीजिये। बेले हुये परांठे को मीडियम गरम तवे पर डालिये। परांठे को निचली सतह पर हल्का सा सिकने पर पलट दीजिये। जब परांठा दूसरी ओर हल्की ब्राउन चित्ती आते हुये सिक जाय तब पहली सतह पर 1 छोटी चम्मच तेल डालकर चारों ओर फैला दीजिये। परांठे को पलट दीजिये। दूसरी ओर भी तेल डालकर फैलाइये। परांठे को ऊपर से चमचे से दबाते हुये। ब्राउन चित्ती आने तक सेक कर पलट दीजिये। परांठे को दोनों ओर से ब्राउन चित्ती आने तक सेक कर उतार लीजिये। सिके हुए परांठे को किसी प्लेट पर रखी प्याली पर रख लीजिये। सारे गोल परांठे इसी तरह बनाकर तैयार किये जा सकते हैं। परांठे के साथ दही, चटनी, अचार, आलू टमाटर की सब्जी या किसी भी सब्जी के साथ परोसिये और खाइये।

हल्दी के अनोखे नुस्खके

- पेट में कीड़े होने पर 1 चम्मच हल्दी पाउडर रोज सुबह खाली पेट एक सप्ताह तक ताजा पानी के साथ लेने से कीड़े खत्म हो सकते हैं। चाहें तो इस मिश्रण में थोड़ा नमक भी मिला सकते हैं। इससे भी फायदा होगा।
- चेहरे के दाग-धब्बे और झाइयाँ हटाने के लिए हल्दी और काले तिल को बराबर मात्रा में पीसकर पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएँ। - हल्दी-दूध का पेस्ट लगाने से त्वचा का रंग निखरता है और आपका चेहरा खिला-खिला लगता है।
- खाँसी होने पर हल्दी की छोटी गाँठ मुँह में रख कर चूसें। इससे खाँसी नहीं उठती।
- त्वचा से अनचाहे बाल हटाने के लिए हल्दी पाउडर को गुनगुने नारियल तेल में मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को हाथ-पैरों पर लगाएँ। इसे त्वचा मुलायम रहती है और शरीर के अनचाहे बाल भी धीरे-धीरे हट जाते हैं।
- सनबर्न की वजह से त्वचा झुलसने या काली पड़ने पर हल्दी पाउडर, बादाम चूर्ण और दही मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाएँ। इससे त्वचा का रंग निखर जाता है और सनबर्न की वजह से काली पड़ी त्वचा भी ठीक हो जाती है। यह एक तरह से सनस्क्रीन लोशन की तरह काम करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**